Govt. Kamla Raja Girls PG Autonomous College, Gwl.

NAAC 'A' Grade Institution College Mail id: krgc@rediffmail.com Website: www.krg.ac.in

IQAC Mail id: iqac.krgc@gmail.com Phone no. 0751-2625495

e-Sakshi E-News Letter

3rd Issue

Feb.- June 2026

Dr. Shakti Bharadwaj

Dr. Mohit Arya

इस अंक में............

महाविद्यालय के सभी स्नेहिलजनों को बताते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि महाविद्यालय की पत्रिका "e- साक्षी" का तृतीय अंक माह फरवरी से जून 2026 आपके समक्ष है। इस अंक में महाविद्यालय के स्टाफ एवं छात्राओं की उपलब्धियां, शॉर्ट टर्म कोर्स, संगोष्ठी, अन्य आयोजन तथा शैक्षणोत्तर गतिविधियों के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित शैक्षणिक भ्रमण इत्यादि की जानकारी संकलित की गई है।

Index

S. No.	Text	Page No.
1.	**Academics and Publications**	**03-20**
(i)	Book Launch	04-05
(ii)	Participation in Conference	06-07
(iii)	Paper Publications	08-15
(iv)	Nomination	16-17
(v)	International Conference	18-20
2.	**Activities and Achievement**	**21-56**
(i)	NCC Cell	22-26
(ii)	NSS Cell	27-36
(iii)	Institute of Law	37-39
(iv)	National Science Day	40-41
(v)	Annual Prize Distribution Ceremony	42
(vi)	Carrear Counseling Cell	43-46
(vii)	Eco Club	47-50
(viii)	Music Department Activities	51-53
(ix)	Sport Department	54-56
3.	**Education Excursions**	**57-62**
(i)	Chemistry Department	58
(ii)	Sociology Department	59
(iii)	Geography Department	60
(iv)	Home Science Department	61
(v)	Zoology Department	62
4.	**Short-term Courses**	**63-70**
(i)	Botany Department	64
(ii)	Geography Department	65
(iii)	Zoology Department & Hindi Department	66
(iv)	Economics Department & Philosophy Department	67
(v)	Biotechnology Department	68
(vi)	Institute of Law	69
5.	**Intership in Library**	**70**
6.	**IQAC Meeting**	**71**

Academics *and* Publications

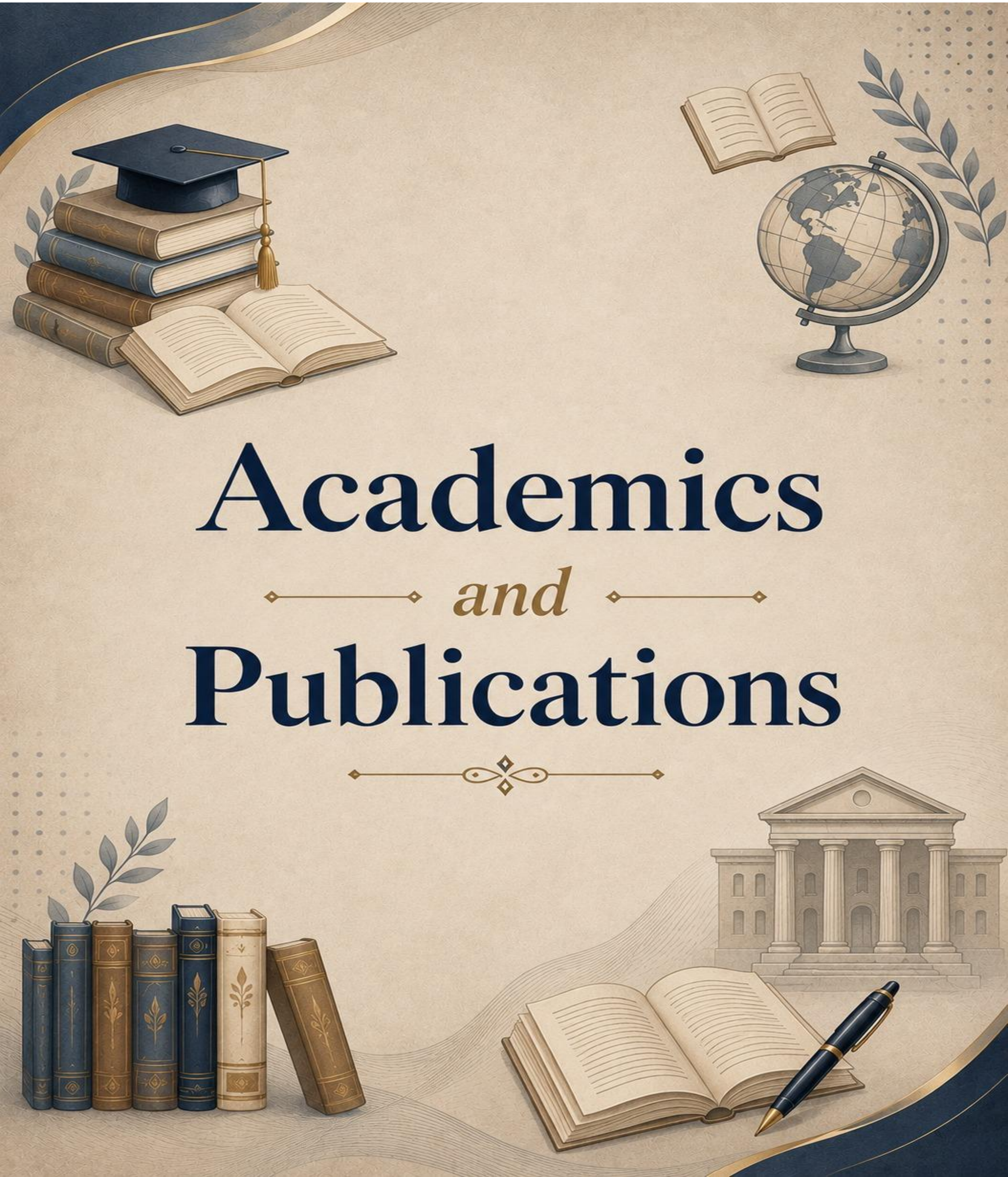

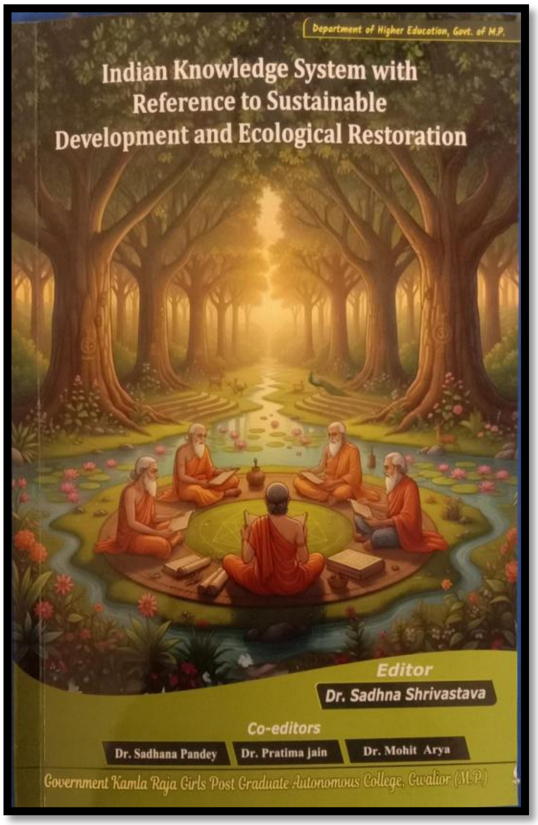

पुस्तक विमोचन

दिनांक: 9 फरवरी 2026

उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित एवं IQAC द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार "इंडियन नॉलेज सिस्टम विद रेफरेंस टू सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन" में प्राप्त शोध पत्रों को संकलित कर पुस्तक के रूप में विमोचित किया गया।

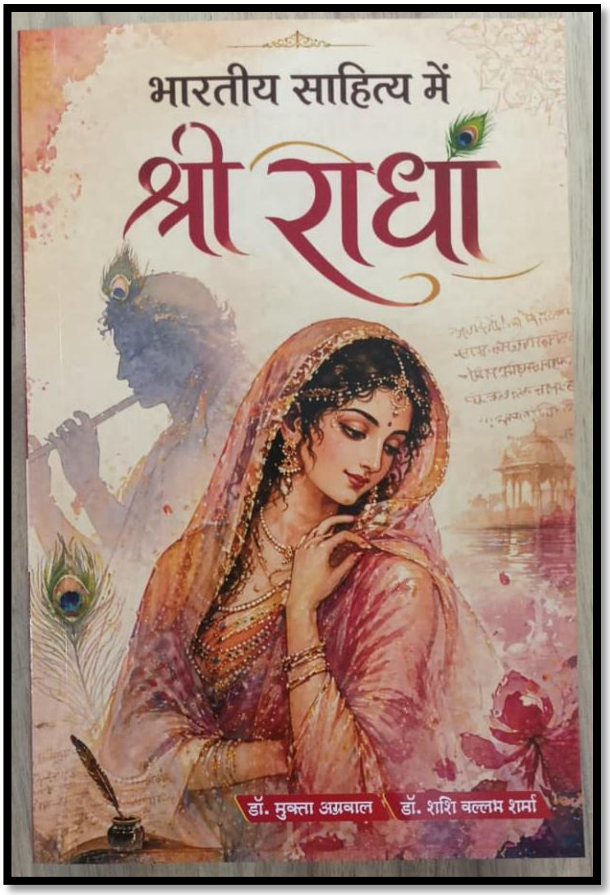

डॉ. मुक्ता अग्रवाल सहायक प्राध्यापक हिंदी द्वारा संपादित पुस्तक भारतीय साहित्य में "श्री राधा" का विमोचन 23 जून, 2026 को बरसाना में श्री राधारानी के चरणों में समर्पित कर किया गया।

सच कहने का साहस और सलीका

राज एक्सप्रेस

विमोचन डॉ. मुक्ता अग्रवाल एवं डॉ. शशि वल्लभ शर्मा ने किया पुस्तक का संपादन

श्री राधा एक आध्यात्मिक यात्रा का प्रामाणिक दस्तावेज

पुस्तक-परिचर्चा स्तंभ में प्रकाशित करने योग्य शैली में तैयार की गई

पाठकों के लिए यह पुस्तक अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी

पूरा सच, बेहिचक

प्रदेश टुडे

PRADESHTODAY.COM

Digital Edition

Whats App Instgram Facebook X

ग्वालियर, गुरुवार 25 जून 2026

बरसाना धाम में 'भारतीय साहित्य में श्री राधा' पुस्तक का विमोचन

ग्वालियर। ब्रज की अधिष्ठात्री एवं भक्ति की आराध्या श्री राधारानी को समर्पित पुस्तक 'भारतीय साहित्य में श्री राधा' का विमोचन पावन श्रीधाम बरसाना में श्री लाड़लीजी महाराज के चरणों में समर्पित कर किया गया। पुस्तक का प्रकाशन जून माह में सद्भावना पब्लिकेशन, अम्बाह द्वारा किया गया है। पुस्तक का संपादन शासकीय के.आर.जी. महाविद्यालय, ग्वालियर की हिंदी विभाग की प्राध्यापक डॉ. मुक्ता अग्रवाल तथा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बाह के हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. शशि वल्लभ शर्मा ने किया है। संपादकों एवं प्रकाशक ने निर्णय लिया कि पुस्तक का विमोचन किसी औपचारिक कार्यक्रम के बजाय स्वयं राधारानी के धाम बरसाना में किया जाए। इसी क्रम में बुधवार को डॉ. मुक्ता अग्रवाल ने बरसाना पहुंचकर पुस्तक को श्रद्धापूर्वक श्री लाड़लीजी महाराज के चरणों में अर्पित किया, जिसके बाद मंदिर के पुजारी द्वारा विधिवत विमोचन किया गया। डॉ. मुक्ता अग्रवाल ने इसे अपने जीवन का अत्यंत आध्यात्मिक और अविस्मरणीय अनुभव बताते हुए कहा कि दर्शनार्थियों की भीड़ के बीच भी उन्हें ऐसा अनुभव हुआ मानो स्वयं किशोरीजी ने पुस्तक स्वीकार की हो। सद्भावना पब्लिकेशन की निदेशक डॉ. रीना शर्मा के अनुसार पुस्तक में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से जुड़े विद्वानों एवं शोधकर्ताओं के 37 शोध आलेख संकलित हैं, जिनमें भारतीय साहित्य में श्री राधा के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक एवं साहित्यिक स्वरूप का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पुस्तक शोध और साहित्य अध्ययन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ सिद्ध होगी।

Participation in Conference

बायोटेक्नोलॉजी और नैनोबायोटेक्नोलॉजी (Int-BIONANO-2026) पर चौथा **अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन** 13 मार्च, 2026 को एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी ग्वालियर द्वारा किया गया था, जिसमें महाविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सम्मेलन में विभाग की छात्राओं ने मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिताओं में सक्रिय सहभागिता की। एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी के द्वितीय सेमेस्टर की छात्राओं **उर्वशी सिंह** एवं **साक्षी राठौर** ने अपने मौखिक प्रस्तुतीकरण के लिए सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। **साक्षी कुशवाह** ने पोस्टर प्रस्तुतीकरण में तृतीय पुरस्कार अर्जित किया। इसके अलावा बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्राओं **पलक तायल, सृष्टि जादौन** एवं **वंशिका सिकरवार** ने भी पोस्टर प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता में भाग लेकर विभाग का प्रतिनिधित्व किया।

दिनांक 25-26 फ़रवरी 2026 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग की छात्राओं ने आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर के स्कूल ऑफ साइंसेज द्वारा आयोजित **11th National Conference 2026 RACE** में उत्कृष्ट सहभागिता करते हुए महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। सम्मेलन में एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी द्वितीय सेमेस्टर की छात्राओं **साक्षी कुशवाह** और **आशी बाथम** ने “Role of Artificial Intelligence in Biotechnology” विषय पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण किया, वहीं **वैष्णवी, चैतन्य राणा** एवं **प्रथा शर्मा** ने Oral Presentation में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यार्थियों की वैज्ञानिक समझ, शोध अभिरुचि एवं प्रस्तुतीकरण कौशल को निर्णायक मंडल द्वारा अत्यंत सराहा गया।

Paper Publications

IJCSPUB.ORG ISSN : 2250-1770
INTERNATIONAL JOURNAL OF CURRENT SCIENCE (IJCSPUB)
IJCS PUBLICATION (IJCSPUB.ORG) An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

Structure And Magnetic Properties Of Nife₂o₄ Nanoparticles At Annealing Temperature

Chaturbhuj Ojha

Govt. K. R. G. (Autonomous)P.G. College Gwalior

ABSTRCT: Nanoparticles of $NiFe_2O_4$ have synthesized at room temperature through Chemical Co-Precipitation method. These particles are synthesized without annealing. EDX and FTIR analyses were used for composition and structure investigation. FTIR frequency data for the respective sites are also analyzed. The higher frequency band and lower frequency band are assigned to the tetrahedral octahedral complex. X-ray diffraction pattern confirms the formation of cubic structure. Their corresponding reflection planes are also determined. The lattice constant calculated from XRD peaks is 8.398 A. Crystallite size calculated from XRD peak broadening confirms an average particles size of 12nm. Particles size measured using SEM show good agreement with the calculated value. The specific magnetization curves of the annealed NiFe2O4 samples were obtained at room temperature. Parameters like saturation magnetization (M_s), retentivity (M_r) and coercivity (H_c) were calculated from the hysteresis loop.

Keywords: Ferrite, Nanoparticles, XRD, SEM, VSM.

INTRODUCTION

Now a day the subject of development of nano-crystalline partials of various materials is of considerable interest. This facilitates us to understand their scientific value and also to understand the unique properties of materials that have relevance to their condensed matter studies. Their technological significance in enhancing the performance of existing materials also requires the synthesis of these materials in laboratories. The magnetic properties, in particular, are strongly dependent on grain size, size distribution and morphology of crystallites. Ferrites are superior to other soft magnetic materials for use at high frequencies as they exhibit high electrical resistivity along with useful ferromagnetic behavior [1]. In recent years, a number of chemical and physical method have been attempted to produce nano size Ferrite particles. Some of them are mechanical milling, severe plastic deformation, consolidation and inert gas condensation. Due to fundamental changes in co-ordination, symmetry and confinement, Super Para magnetism, collective magnetic excitation low saturation magnetization, enhanced corcivity etc. are some of the phenomena, which have been observed in nanocrystalline ferrites [2]. The chemical methods, which widely used are electro deposition, hydrothermal reaction, oxidative precipitation the organic precursor method, chemical deposition, Sol-gel technique, reverse micelle synthesis and ultrasonic emulsion and combustion are prominent. In the present work, we used chemical co-precipitation method for synthesizing the $NiFe_2O_4$ nanoparticles.

EXPERIMENTAL PROCEDURE

The starting chemicals used in the present study were: Nickel Chloride hexa hydrate ($NiCl_26H_2O$) and Anhydrous Ferric chloride ($FeCl_3$ $6H_2O$). Mixed solution consisting of one mole of $NiCl_26H_2O$ and two mole of FeCl₃6H2O was slowly heated to 85°C. Thereafter, the Oleic acid (8ml) was added for surface coating .The solution was allowed to cool down slowly with continuous stirring up to room temperature. Few drops of Nitric acid (HNO_3) were added to precipitate the formed coated particle. The precipitate was taken out and washed number of time with hot distilled water so as to remove sodium chloride. Finally water was removed by washing it with acetone. This acetone wet-slurry was dispersed in 20ml of kerosene and

heated at 70°C for 5 minutes. The resulting fluid was centrifuged at 1200 rpm for 10 minutes. For obtaining the dried particles, portion of the fluid was repeatedly washed with acetone.

RESULT AND DISCUSSION

The X-ray diffraction is the most important characterization technique for determining the structure of materials and to identify the various planes/phases. **Figure 1** shows X-ray diffraction patterns of the sample $NiFe_2O_4$, obtained at annealing temperature using Cu- K_α radiation. It is clearly seen that the reflection peaks becomes sharper and narrower with increasing annealing temperature. This shows an enhancement of crystallinity in the material. Every peak in the pattern can be indexed on a cubic unit cell. Careful analysis of the observed peak positions and intensities shows that $NiFe_2O_4$ has a cubic spinel structure. The diffraction peaks of the $NiFe_2O_4$ phase lost intensities and significantly broadened. It was found that the sample are crystalline having strong orientation along (311) plane with $2\Theta = 35.6°$.

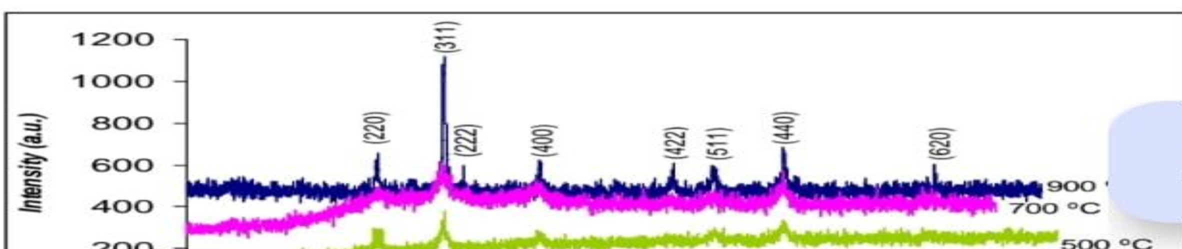

Journal of Physics and Chemistry of Solids 202 (2025) 112678

Contents lists available at ScienceDirect

Journal of Physics and Chemistry of Solids

journal homepage: www.elsevier.com/locate/jpcs

ELSEVIER

Unveiling the impact of defects on Fe^{3+}-doped Tin tungstate materials for next generation optoelectronic applications

Tejas [a], Shashi Pandey [b], Hari Mohan Rai [c,d], Kalpataru Panda [a], Tulika Srivastava [e], Sudha D. Kamath [a], Vikash Mishra [a,*]

[a] Department of Physics, Manipal Institute of Technology, Manipal Academy of Higher Education, Manipal, Karnataka, 576104, India
[b] Department of Electrical Engineering, Indian Institute of Technology Bombay, Mumbai, 400076, India
[c] Department of Physics, Government PG College, Tikamgarh, M.P, 472001, India
[d] Department of Physics, Government K.R.G. PG College, Gwalior, M.P, 474001, India
[e] Department of Electronic and Communication Engineering, College of Engineering and Technology, SRM Institute of Science and Technology, Kattankulathur, Chennai, 603203, Tamil Nadu, India

ARTICLE INFO

Keywords:
Defect engineering
Tungstate
Fe ions
DFT
Partial density of states
Doping

ABSTRACT

This study explores the theoretical calculations on the optical, and electronic properties of pure and Fe^{3+} doped $SnWO_4$, focusing on defect engineering and its impact on optoelectronic applications. $SnWO_4$, exhibiting two phases like α-$SnWO_4$ and β-$SnWO_4$, is explored due to its potential in semiconductor, photocatalytic, and photovoltaic applications. Defects, such as vacancies (V_{Sn}, V_W, V_O), were introduced in both pristine and Fe^{3+} doped $SnWO_4$ systems, and their formation energies and activation energies were computed to understand their thermodynamic stability and influence on electronic properties. The results indicate that Fe^{3+} doping alters the defect levels, reducing the formation energies, particularly for oxygen vacancies, which enhances the material's electronic and optical performance. Additionally, density of states (DOS) and energy band diagrams show the creation of new energy levels within the band gap due to Fe^{3+} doping and defect formation, which contribute to improved charge transport and light absorption. SCAPS-1D simulations were performed to model the device performance, revealing that Fe^{3+} doping increases both open circuit voltage (V_{OC}) was found to be 1.54 V and short circuit current density (J_{SC}) was 20.72 mA/cm^2, are maximum for Fe^{3+} doped $SnWO_4$, resulting in higher efficiency compared to undoped $SnWO_4$. The findings highlight the crucial role of defect engineering and Fe^{3+} doping in enhancing the properties of $SnWO_4$ for next-generation optoelectronic devices, such as solar cells and photodetectors. This work provides valuable insights into optimizing $SnWO_4$ for advanced applications through defect substitutions and doping strategies.

1. Introduction

Over the last few decades, defect engineering on different semiconductor materials have received widespread attention from the researcher community due to their great applications in quantum field, water splitting applications [1–7], and optoelectronic applications [8–10]. In solid-state chemistry, Tin (Sn) and tungsten (W) play vital roles in the development of materials for photodetector applications. Tin-based materials, such as $SnWO_4$, offer excellent semiconductor properties and enhance charge transport, making them effective in converting light into electrical signals. Tin's tuneable optical properties allow for better light absorption and emission. Tungsten, a transition metal, contributes to the formation of photogenerated charge carriers and widens the material's band gap, improving light sensitivity [11]. W compounds, like tungsten oxide, also provide photocatalytic properties and high stability, ensuring durability and enhanced performance in photodetectors. Together, Sn and W improve the efficiency, sensitivity, and reliability of photodetectors [12]. Among several semiconductive material tin tungstate's ($SnWO_4$) are most suitable which exhibits two phases, α- $SnWO_4$ and β-$SnWO_4$ [13–17]. These materials were explored in several application fields due to its thermodynamic [18], semiconductors [19], electrochemical [20], and photocatalytic properties [21]. The alpha phase (α-$SnWO_4$) is considered metastable and has an orthorhombic phase with structure $P2_1a$. On the other hand, the beta

* Corresponding author.
E-mail address: vikash.mishra@manipal.edu (V. Mishra).

https://doi.org/10.1016/j.jpcs.2025.112678
Received 3 January 2025; Received in revised form 13 February 2025; Accepted 6 March 2025
Available online 7 March 2025
0022-3697/© 2025 Elsevier Ltd. All rights are reserved, including those for text and data mining, AI training, and similar technologies.

~15~

Viksit Bharat 2047: Vision and Challenges

Sweta Parashar
Govt K.R.G. Post Graduate Autonomous College
Gwalior-474001, India
parasharsweta1@gmail.com

Abstract
To celebrate hundred years of Independence, Viksit Bharat 2047 is the Government of India vision to transform India into a completely developed nation by 2047. This vision emphasis on sustainable development along with economic, social and environmental development. It also focusses on the use of renewable energy, climate resilience, eco-friendly practices, organic farming and green technologies to protect our natural resources for future generations. However, there are many challenges facing today such as limited finance resources, climate change, pollution, technical advancement issues etc. To overcome these issues, a good balance between economic progress and environmental conservation is required. Sustainable development is not only the responsibility of an individual rather than this is a collective effort of citizens, government, civil society and private sector. This collective effort can guide our nation towards inclusive, equitable and sustainable future for all citizens.

1. Introduction

As India approaches the 100th anniversary of its independence in 2047, the nation stands at a pivotal milestone envisioning a **"Viksit Bharat 2047"** (Developed India 2047). This strategic roadmap is not merely a slogan but a comprehensive vision to transform India into a globally competitive, inclusive, and sustainable nation. The Vision for Viksit Bharat 2047 seeks to align economic progress with social justice, technological innovation with environmental sustainability, and national pride with global leadership. The vision of *Viksit Bharat 2047* aspires to transform India into a fully developed nation by the centenary of its independence through sustainable economic growth, inclusive social progress, technological innovation, and effective governance. This paper delineates the conceptual foundations of the Viksit Bharat 2047 agenda, explores the central pillars of the vision, identifies key

 ISBN: 978-81-999701-2-0

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal
Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal
A Multi-Disciplinary Research Journal

युवाओं में बढ़ता मानसिक तनाव एवं आत्महत्या

डॉ. अर्चना सेन
सहायक प्राध्यापक
शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर
स्वशासी महाविद्यालय
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)

Paper Received date
05/02/2025
Paper date Publishing Date
14/02/2025
DOI
https://doi.org/10.5281/zenodo.19415242

IMPACT FACTOR
5.924

शोध-सार

वैयक्तिक विघटन का पक्ष विस्तृत है। यह अनेक जटिल समस्याओं तथा समाज विरोधी आचरण से जुड़ा होता है। व्यक्ति के इस पक्ष का अंतिम स्वरूप आत्महत्या है। यद्यपि आत्महत्या कुछ देशों की संस्कृतियों से संबंधित रही है तथापि यह एक समाज और मानवता के विरुद्ध किया जाने वाला दोषपूर्ण आचरण है जिससे समाज में अव्यवस्था उत्पन्न होती है। आदि भारत में सती प्रथा प्रचलित थी जिसके अनुसार पति के शहीद होने अर्थात् लड़ाई में मारे जाने पर उसकी स्त्री सती प्रथा अपनाती थी और जीवित ही चिता में जल जाती थी परन्तु आजकल इस प्रथा का महत्व नहीं है। भारत सरकार ने इस प्रथा के विरुद्ध अनेक प्रयास किये। देश के नेताओं ने बड़ी आवाजें उठाई और सामूहिक प्रयत्नों से इस प्रथा के विरुद्ध लड़ाई लड़ी। फलतः यह प्रथा इस उदाहरण मात्र के लिए ही रह गयी है।

पूर्व के विचारकों का मत था कि आत्महत्या व्यक्ति मनोवैज्ञानिक, जैवकीय और भौगोलिक आदि कारणों से करता है परंतु बाद के विचारकों ने इस बात पर बल दिया कि व्यक्ति आत्महत्या मानसिक तनाव, अकेलापन, एकाकीपन, अवसाद एवं समाज एवं परिवार द्वारा सम्मान न देना ये सभी कारण आत्महत्या के है।

वर्तमान के युवाओं में आत्महत्या का प्रमुख कारण संस्कारों की कमी, परिवार से दूर रहना, व्यसन एवं व्यभिचार को अपना लेना जिस कारण से मानसिक तनाव उत्पन्न होता है तथा बहुत से युवक आत्महत्या कर लेते है। मानसिक तनाव को रोकने के लिए युवाओं का मनोवैज्ञानिक परीक्षण कराना चाहिए, जिससे वे आत्महत्या न करें। आत्महत्या के ऐसे बहुत से कारण है, जो परिवार में हमेशा गोपनीय रखे जाते है।

कूट शब्द:- आत्महत्या, सामूहिक, भौगोलिक, जैवकीय, विचारक।

आत्महत्या वैयक्तिक विघटन के अंतिम क्षोभ एवं अपरिवर्तनीय पराकाष्ठा की द्योतक है। यह जीवन के अंध और अविचारणीय प्रेम की मनोवृत्तियों की उन्नतिशील व्यवस्थाओं की अंतिम अवस्था है। आत्महत्या को लोगों ने आत्मविनाश माना है। दुर्खीम ने भी अपनी पुस्तक में यही विचार प्रकट किया है। आपने आत्महत्या को आत्मविनाश बताते हुए इसका संबंध समाज से स्थापित किया है। अतः आपका अधिक बल सामाजिक तत्वों पर रहा है। दुर्खीम ने इस संबंध में सांख्यिकीय आंकड़ों का सहारा लिया ठें आत्महत्या ऐच्छिक और इरादापूर्ण आत्मविनाश का कार्य है। आत्महत्या वैयक्तिक विघटन के रूप में एक सजातीय तथ्य नहीं है जैसा कि बहुत से

International Journal of All Research Education and Scientific Methods (IJARESM),
ISSN: 2455-6211, Volume 14, Issue 3, March-2026, Available online at: www.ijaresm.com

ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरणीय क्षरण और सामाजिक संरचना में परिवर्तनः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. अर्चना सेन

सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र, शासकीय कमलाराजा कन्या स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

---***************---

शोध सार

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते पर्यावरणीय क्षरण एवं उसके सामाजिक संरचना पर पड़ने वाले प्रभावों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण करना है। वर्तमान समय में पर्यावरणीय समस्याएँ जैसे जल संकट, भूमि क्षरण, वनों की कटाई तथा जलवायु परिवर्तन ग्रामीण जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहे हैं। इन समस्याओं के कारण न केवल आर्थिक गतिविधियाँ प्रभावित होती हैं, बल्कि सामाजिक संबंध, पारिवारिक संरचना तथा सांस्कृतिक मूल्य भी परिवर्तित हो रहे हैं।

इस अध्ययन में मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले के दो चयनित गाँवों रेहट एवं पनिहार से 50 उत्तरदाताओं का चयन कर उनके विचारों का विश्लेषण किया गया। प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण प्रतिशत, t-Test एवं ANOVA। जैसे सांख्यिकीय उपकरणों द्वारा किया गया। अध्ययन के निष्कर्ष यह संकेत करते हैं कि पर्यावरणीय क्षरण ग्रामीण सामाजिक संरचना में महत्वपूर्ण परिवर्तन का कारण बन रहा है।

मुख्य शब्दः ग्रामीण क्षेत्र, पर्यावरणीय क्षरण, सामाजिक संरचना

प्रस्तावना

मानव और पर्यावरण का संबंध अत्यंत प्राचीन एवं परस्पर निर्भरता पर आधारित रहा है। समाजशास्त्र के अनुसार पर्यावरण केवल प्राकृतिक संसाधनों का समूह नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक व्यवहार, आर्थिक गतिविधियों तथा मानव संबंधों को भी प्रभावित करता है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में यह संबंध और अधिक गहरा होता है क्योंकि वहाँ की आजीविका, जीवनशैली और सामाजिक व्यवस्था मुख्यतः प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर होती है।

प्राचीन काल में ग्रामीण समाज में प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने की परंपरा थी। लोग वनों, जल स्रोतों एवं भूमि का उपयोग सीमित एवं आवश्यकतानुसार करते थे। सामुदायिक जीवन में सहयोग, सह-अस्तित्व तथा संसाधनों का साझा उपयोग प्रमुख विशेषताएँ थीं। किंतु वर्तमान समय में औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि तथा आधुनिक जीवनशैली के कारण प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव पड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरणीय क्षरण की समस्या उत्पन्न हुई है।

पर्यावरणीय क्षरण के अंतर्गत वनों की कटाई, जल स्रोतों का सूखना, भूमि की उर्वरता में कमी, जलवायु परिवर्तन तथा प्रदूषण जैसी समस्याएँ शामिल हैं। इन समस्याओं का प्रभाव केवल प्राकृतिक संतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संरचना को भी प्रभावित करता है। उदाहरणस्वरूप, जल संकट के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को अधिक दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे उनके स्वास्थ्य एवं सामाजिक जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसी प्रकार, कृषि उत्पादन में कमी के कारण किसानों की आय में गिरावट आती है, जिससे आर्थिक असमानता एवं सामाजिक तनाव उत्पन्न होता है।

ग्रामीण समाज की सामाजिक संरचना पारंपरिक रूप से संयुक्त परिवार, सामूहिक निर्णय प्रणाली एवं सामाजिक सहयोग पर आधारित होती थी। लेकिन पर्यावरणीय संकटों के कारण इन संरचनाओं में धीरे-धीरे परिवर्तन आ रहा है। युवा वर्ग रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन कर रहा है, जिससे संयुक्त परिवार प्रणाली कमजोर हो रही है। इसके अतिरिक्त, संसाधनों की कमी के कारण सामाजिक संघर्ष एवं असमानता भी बढ़ रही है।

"This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License."
License url: https://creativecommons.org/licenses/by/4.0

National Academy Science Letters
https://doi.org/10.1007/s40009-026-02131-9

SHORT COMMUNICATION

Enhanced Cell Wall Hydrolases Activities in Senescing Primary Leaves of Wheat Seedlings and TheirPossible Role in Seedling Vigour

Jitendra Kumar Pandey[1,2] · Chinmayee Acharya[2] · Sandeep Kumar Chaurasia[2] · Mayank Singh[1] · Deepak Kumar Saini[1] · R. P. Singh[1] · Shivali Rathore[1] · Ashutosh tripathi[3] · Basanti Biswal[4] · K. Pandey[1]

Received: 7 October 2025 / Revised: 30 December 2025 / Accepted: 16 March 2026
© The Author(s), under exclusive licence to The National Academy of Sciences, India 2026

Abstract
Primary leaves play a crucial role in the early establishment of seedlings. Unlike mature leaves, where senescence occurs after their functional phase, senescence of primary leaves in young monocots with non-photosynthetic cotyledons may serve an essential role in seedling vigour. In this study, we have investigated the possible role of two cell wall hydrolases (β-galactosidase and β-glucosidase) to provide respiratory sugar by cell wall catabolism during senescence phase of primary wheat leaves. We measured oxygen evolution, chlorophyll content, and the activity of cell wall hydrolases in mature, partially senescent and senescent leaves. Chlorophyll content and rate of oxygen evolution decline continuously with the progress of senescence with maximum decline by 72% and 78%, respectively in senescent leaves. Conversely, the activity of β-galactosidase and β-glucosidase increased, and in the cell wall bound fraction of senescent leaves it increased markedly by 132% and 167%, respectively. These findings suggest that enhanced cell wall degradation provides respiratory sugars to support the energy-driven senescence program, thereby contributing to efficient seedling establishment and vigour.

Keywords β-Galactosidase · β-Glucosidase · Photosynthesis · Senescence · Seedling vigour

Introduction

Senescence is a well-regulated and highly complex process that plays a vital role in the translocation of nutrients from older, decaying tissues to younger, actively growing parts or storage organs of a plant [1]. During senescence, cell organelles undergo degradation in a sequential manner, accompanied by the upregulation of senescence-associated genes (SAGs) and the downregulation of photosynthesis-associated genes (PAGs) [2]. Senescence in green leaves is an energy-dependent process [3]. Photosynthesis progressively declines during leaf senescence, resulting in reduced cellular sugar availability. To cope with this sugar-starved condition, leaves develop adaptive strategies to sustain the energy requirements of the senescence process [4].

Leaf senescence is a crucial mechanism of nutrient recycling in crop plants, influencing both yield and stress adaptation [5]. In cereals, primary leaves serve as the first photosynthetic organs, and their timely senescence is vital for nutrient translocation to developing tissues. While chlorophyll degradation and reduced photosynthesis are established features of senescence, the contribution of cell wall modification and hydrolytic enzymes has received less attention. Recent studies indicate that β-glucosidase and β-galactosidase facilitate sugar mobilization during senescence [6, 7], supporting its energy-dependent nature and promoting seedling vigour essential for successful establishment. Understanding this process in wheat is particularly relevant, as efficient nutrient remobilization during early seedling growth is crucial for vigour and crop establishment.

✉ Jitendra Kumar Pandey
jkpandey18@gmail.com

1 Department of Botany, Government Kamla Raja Girls Post Graduate Autonomous College, Gwalior, India

2 Department of Botany, Government Post Graduate College, Tikamgarh, India

3 Department of Environmental Science, Nagaland University, Nagaland, India

4 School of Life Sciences, Sambalpur University, Sambalpur, India

Published online: 09 April 2026

National Academy Science Letters
https://doi.org/10.1007/s40009-026-02131-9

SHORT COMMUNICATION

Enhanced Cell Wall Hydrolases Activities in Senescing Primary Leaves of Wheat Seedlings and TheirPossible Role in Seedling Vigour

Jitendra Kumar Pandey[1,2] · Chinmayee Acharya[2] · Sandeep Kumar Chaurasia[2] · Mayank Singh[1] · Deepak Kumar Saini[1] · R. P. Singh[1] · Shivali Rathore[1] · Ashutosh tripathi[3] · Basanti Biswal[4] · K. Pandey[1]

Received: 7 October 2025 / Revised: 30 December 2025 / Accepted: 16 March 2026
© The Author(s), under exclusive licence to The National Academy of Sciences, India 2026

Abstract
Primary leaves play a crucial role in the early establishment of seedlings. Unlike mature leaves, where senescence occurs after their functional phase, senescence of primary leaves in young monocots with non-photosynthetic cotyledons may serve an essential role in seedling vigour. In this study, we have investigated the possible role of two cell wall hydrolases (β-galactosidase and β-glucosidase) to provide respiratory sugar by cell wall catabolism during senescence phase of primary wheat leaves. We measured oxygen evolution, chlorophyll content, and the activity of cell wall hydrolases in mature, partially senescent and senescent leaves. Chlorophyll content and rate of oxygen evolution decline continuously with the progress of senescence with maximum decline by 72% and 78%, respectively in senescent leaves. Conversely, the activity of β-galactosidase and β-glucosidase increased, and in the cell wall bound fraction of senescent leaves it increased markedly by 132% and 167%, respectively. These findings suggest that enhanced cell wall degradation provides respiratory sugars to support the energy-driven senescence program, thereby contributing to efficient seedling establishment and vigour.

Keywords β-Galactosidase · β-Glucosidase · Photosynthesis · Senescence · Seedling vigour

Introduction

Senescence is a well-regulated and highly complex process that plays a vital role in the translocation of nutrients from older, decaying tissues to younger, actively growing parts or storage organs of a plant [1]. During senescence, cell organelles undergo degradation in a sequential manner, accompanied by the upregulation of senescence-associated genes (SAGs) and the downregulation of photosynthesis-associated genes (PAGs) [2]. Senescence in green leaves is an energy-dependent process [3]. Photosynthesis progressively declines during leaf senescence, resulting in reduced cellular sugar availability. To cope with this sugar-starved condition, leaves develop adaptive strategies to sustain the energy requirements of the senescence process [4].

Leaf senescence is a crucial mechanism of nutrient recycling in crop plants, influencing both yield and stress adaptation [5]. In cereals, primary leaves serve as the first photosynthetic organs, and their timely senescence is vital for nutrient translocation to developing tissues. While chlorophyll degradation and reduced photosynthesis are established features of senescence, the contribution of cell wall modification and hydrolytic enzymes has received less attention. Recent studies indicate that β-glucosidase and β-galactosidase facilitate sugar mobilization during senescence [6, 7], supporting its energy-dependent nature and promoting seedling vigour essential for successful establishment. Understanding this process in wheat is particularly relevant, as efficient nutrient remobilization during early seedling growth is crucial for vigour and crop establishment.

Jitendra Kumar Pandey
jkpandey18@gmail.com

1 Department of Botany, Government Kamla Raja Girls Post Graduate Autonomous College, Gwalior, India

2 Department of Botany, Government Post Graduate College, Tikamgarh, India

3 Department of Environmental Science, Nagaland University, Nagaland, India

4 School of Life Sciences, Sambalpur University, Sambalpur, India

Published online: 09 April 2026

J Mater Sci: Mater Electron (2026) 37:311

Symmetry-dependent bandgap evolution with Zr-substitution in $BaTiO_3$

Kailash Kumar[1,*], Omkar V. Rambadey[1], Nikita Jain[1], Hari Mohan Rai[2], and Pankaj R. Sagdeo[1]

[1] *Materials Research Laboratory, Department of Physics, Indian Institute of Technology Indore, Simrol, Khandwa Road, Indore 453552, India*
[2] *Department of Physics, Government P. G. College Tikamgarh, Tikamgarh 472001, India*

Received: 19 August 2025
Accepted: 22 January 2026

© The Author(s), under exclusive licence to Springer Science+Business Media, LLC, part of Springer Nature, 2026

ABSTRACT

Zirconium-substituted barium titanate ($BaTi_{1-x}Zr_xO_3$) has emerged as a model system for study of relaxor behavior in ferroelectric perovskites. Substitution of Zr drive relaxor behavior as well as structural phase transition tetragonal to cubic symmetry around x = 0.15. While this material has been thoroughly examined for relaxor behavior and other potential applications, the study of optical bandgap around phase transition lacking. The present work investigates the effect of Zr content on the optical bandgap across this phase boundary. The structural evolution with Zr concentration was systematically characterized using X-ray Diffraction confirming the tetragonal-to-cubic phase transition. Optical bandgaps were extracted from diffuse reflectance spectroscopy using Tauc analysis. Our results reveal a distinct non-linear trend in bandgap variation with Zr concentration, with a notably higher rate of change in the tetragonal phase compared to the cubic phase. This behavior is attributed to changes in type of orbital overlap and interatomic distances driven by both compositional modification and symmetry change. These findings emphasize the strong correlation between crystal structure and electronic properties in perovskite oxides, offering valuable guidance in bandgap engineering in optoelectronic applications.

1 Introduction

Barium Titanate ($BaTiO_3$, BTO) has been a widely studied ceramic material due to its various properties such as ferroelectricity, piezoelectricity, high dielectric constant attributing it essential in broad range of technological applications, ranging from capacitors and transducers to memory storage devices and energy harvesting systems [1–4]. It has been extensively modified with suitable dopants that make them more attractive for any specific application. For instance, the substitution of Ba^{2+} with Sr^{2+} enhances the dielectric constant and reduces the leakage current, which is useful in pyroelectric detectors, DRAM capacitors, and various microwave devices such as phase shifters and frequency agile filters [5–7].

$BaTi_{1-x}Zr_xO_3$ (BZT) attends much attention due to the tunable microstructure and electrical characteristics

Address correspondence to E-mail: kailashkumarphy23@gmail.com
E-mail Addresses: prs@iiti.ac.in

https://doi.org/10.1007/s10854-026-16731-0
Published online: 04 February 2026
Springer

डॉ. शक्ति भारद्वाज प्राध्यापक प्राणी शास्त्र को उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा केंद्रीय अध्ययन मंडल में सदस्य नामित किया गया।

Office of the Commissioner, Higher Education, MP
Satpura Bhavan, Bhopal

No.765/1521/ **2026 Bhopal,** **Dated** 14/05/ **2026**

NOTIFICATION

SUBJECT: Sericulture

Consequent upon the delegation of power by Chancellor of Madhya Pradesh Vishwavidyalaya under sub-section (5) of section 34-A of Madhya Pradesh Vishwavidyalaya Adhiniyam, 1973 vide his order **No. F 8-1/2007/R.S./U.A.-3/635** Dated **20-06-2025**, I the Commissioner, Higher Education, Madhya Pradesh, Bhopal hereby constitute, the Central Board of Studies for **Sericulture** as under: -

Section 34-A (3)(i)

1. Dr. Aruna Singh Thakur, Professor, Chairman BOS Zoology APS University Rewa 9111487133

Section 34-A (3)(ii)

1. Dr. Anuja Gupta, Professor, Govt Motilal Vigyan Mahavidyalaya Bhopal 9425445155
2. Dr. H.K. Garg, Professor, IEHE, Bhopal 9424417792
3. Dr. Anjali Kumar, Professor, Govt Holkar Science College, Indore 9424880751
4. Dr. Shakti Bhardwaj, Professor, Govt Kamlaraje Girls P G College, Gwalior 8989668132
5. Dr. Susan Manohar, Professor, Govt Mahatma Gandhi Smrati College, Itarsi 9200902889

Section 34-A (3)(iii)

1. Dr. Pragya Dwivedi, Asst. Professor, Govt Girls College, Satna 9425833090
2. Dr. Gabbar Singh Lodhi, Asst. Professor, Govt Ganesh Shankar Vidyarthi College, Mungawali, Ashoknagar 9770853303
3. Dr. Karan Singh Rajput, Asst. Professor, Govt Ganesh Shankar Vidyarthi College, Mungawali, Ashoknagar 8800410849
4. Shri Kailash Kumar Thakre, Asst. Professor, Chandra Shekhar Azad Govt Lead College, Sehore 9827723550
5. Dr. Neeta Mishra, Asst. Professor, Govt M H College of Home Science & Science for Women, Jabalpur 8962404944

Section 34-A (3)(iv)

1. Dr. Ramesh C. Tripathi, Chitrakoot Gramodaya Vishwavidyalaya, Chitrakoot, Mob-9450783615
2. Dr. Abhishek Shukla, Head Dept. of Entomology, JNKVV Jabalpur 9827607257
3. Dr. Mahira Parveen, Govt Dr. Shyama Prasad Mukherjee College, Bhopal Mob-9406724350
4. Dr. Shivkant Prasad Professor, Pt. Ravishankar Shukla University, GE, Road Raipur. Mo. No.- 9425078327

Section 34-A (3)(v)

Commissioner Nominee

1. Dr. Vipul Keerti Sharma, Professor, Govt Holkar Science College, Indore 9826030131

डॉ. प्रतिष्ठा द्विवेदी को उच्च शिक्षा विभाग म. प्र. शासन द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर प्राणी शास्त्र विषय में कंटेंट हेतु सत्यापन मंडल का सदस्य नामित किया गया।

कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश शासन
सतपुड़ा भवन, भोपाल 462004
// आदेश //

भोपाल, दिनांक: 17 / 03 / 2026

क्रमांक 229 / 35 / आउशि / योजना / 2026 :: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर संचालित विभिन्न विषयों हेतु जारी पाठ्यक्रमों के आधार पर तैयार किये जा रहे ई-कंटेंट हेतु विषयवार निम्नानुसार सत्यापन मंडल का गठन किया जाता है :-

प्राणी शास्त्र

क्रमांक	विषय	प्राध्यापक / सहायक प्राध्यापक का नाम	महाविद्यालय	प्रभार
1	प्राणी शास्त्र	डॉ.एच.के. गर्ग	सरोजनी नायडू शा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल	संयोजक
2	प्राणी शास्त्र	डॉ. के.के. मिश्रा	डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी शासकीय विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल	सह-संयोजक
3	प्राणी शास्त्र	डॉ. नम्रता खुराना	शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धार	सदस्य
4	प्राणी शास्त्र	डॉ.प्रतिष्ठा द्विवेदी	शासकीय कमलाराजे कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ग्वालियर	सदस्य
5	प्राणी शास्त्र	श्री नितिन बातव	चंद्रशेखर आज़ाद शासकीय लीड महाविद्यालय, सीहोर	सदस्य

वेलिडेशन बोर्ड द्वारा प्रमुख विषय / सह विषय /वैकल्पिक विषय के साथ व्यावसायिक विषयों के मॉड्यूल्स का वेलिडेशन संलग्न प्रारूप में प्राप्ति दिनांक से एक सप्ताह के अंदर किया जायेगा।

(प्रबल सिपाहा)
आयुक्त
उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश

पृ. क्रमांक 230 / 35 /आउशि/योजना/2026 भोपाल दिनांक: 17 /03/2026

प्रतिलिपि:-

1- विशेष सहायक, माननीय मंत्री, मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश।
2- स्टाफ आफिसर, अपर मुख्य सचिव, म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश।
3- डॉ. दिवा मिश्रा, नोडल अधिकारी, ई - कंटेंट निर्माण की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक संयोजन हेतु।
4- समस्त क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश।
5- प्राचार्य, संबंधित शासकीय महाविद्यालय, मध्यप्रदेश।
6- संबंधित प्राध्यापक/सह प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय मध्यप्रदेश।
7- निदेशक, वाल्दवी एजूकेशनल सर्विसिज प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल।

..... की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

आयुक्त
उच्च शिक्षा , मध्यप्रदेश

International Conference

An international conference, sponsored by Department of Higher Education MP on "Frontiers and Innovations in Physical Sciences and New age Technologies (FIPNTs) was organised in hybrid mode on 9th and 10th February 2026 by the department of Physics Govt. Kamla Raja Girls Post Graduate (Autonomous) College Gwalior. The conference was a big success as the eminent speakers from nationally and internationally well renowned institutes have shared their current research work in online and offline mode. Like, Prof. Dr.TommasoSalzillo from University of Bologna, Italty, Dr.Suryakant Mishra from Los Alamos National Laboratory, USA, Dr. Anu Gupta from Weizmann Institute of Science, Israel, Prof. Dr. Pankaj R. Sagdeo and Frof. Dr. Rajesh Kumar from IIT Indore has shared their views on cutting edge technologies. As far as the organizing team is concern, Prof. Meenal Gokhale was the convener, Dr. Sukriti Ghosh was the Co-convener. Dr. Chaturbhuj Ojha and Dr. Harimohan Rai were the Organizing Secretaries. Dr. Shweta Parashar and Prof. Satish Kumar Mahor were the co-organizing secretaries. Dr. Tanuj Chamoli and Prof. Alisha Rani were the joint organizing secretaries. The contributions of eminent speakers, delegates, researchers, academicians, organizers and participants made the conference successful. The insightful presentations, intellectual discussions, and enthusiastic participation greatly enriched the conference and contributed to its academic excellence.

केआरजी में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

एआइ, कोडिंग व इंजीनियरिंग का मुख्य आधार है गणित और एप्लाइड साइंस

पत्रिका प्लस@ग्वालियर. शासकीय केआरजी महाविद्यालय में शुक्रवार से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरुआत हुई। संगोष्ठी में गणित और एप्लाइड साइंस के आधुनिक तकनीक तथा दैनिक जीवन में महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव ने कहा कि गणित और एप्लाइड साइंस का संबंध जीवन के हर क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। एआइ, कोडिंग और इंजीनियरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का मूल आधार गणित ही है। मुख्य अतिथि जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य ने कहा, आर्यभट्ट जैसे भारतीय गणितज्ञों ने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुरूप ऐसे महान गणितज्ञों को पाठ्यक्रम से जोड़ने से विद्यार्थियों को देश के गौरवशाली इतिहास और वैज्ञानिक विरासत की जानकारी मिलेगी। संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता डॉ. एस.के. शफीक अहमद ने "मैट्रिक्स 10/10" विषय पर विस्तार से विचार रखे। वहीं रोमानिया यूनिवर्सिटी के डॉ. टीओदर बुलबोका ने एप्लाइड साइंस के आधुनिक प्रयोगों और उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

Activities
and
Achievement

NCC Cell

Achievements

Cadet **Amreen Khan** has been selected for the 99 Adventure course at Pahalgam (J&K) from 20 April to 4 May 2026.

CPL **Gurnoor Kaur** Camp "Drone Training course" Location: Lakholi, Raipur From 04.02.2026 to 13.02.2026.

MP & CG DIRECTORATE

DRONE TRAINING CAMP

Certificate

This is to certify that Regimental No. MP2024SWIA3570147 Rank CDT. CPL
Name Gurnoor Kaur Son/Daughter of Mr. Gurdar Singh
Institute KRG college Morar, Gwaliar Unit 3MP(G)BN NCC, GWALIOR attended
Drone Training Camp 2026 From 04 Feb 2026 to 13 Feb 2026 Conducted by
Group Headquarter, Raipur at NCC Trg Node Lakholi, Arang

Place : RAIPUR
Date :

Camp Commandant

Cadet Amreen Khan has participated in the 99 Adventure course at Pahalgam (J&K)

CPl **Muskan Joshi** also selected for MT Renok trek (Darjeeling). It is proud moment for Govt. K.R.G. College as she is among the four cadets selected from the whole Madhya Pradesh.

20 Cadets from the NCC Department were honoured for their exceptional achievements and their contribution to NCC.

NCC Cell

Activities

Cadet Nargis Khan and Cpl Muskan Joshi have been selected for Pre monsoon mountaineering expedition from Govt. KRG College, Gwl.

The NCC Department organised a water conservation awareness program through Poster making and a group discussion /debate was organised on the theme:

"How to Conserve Groundwater"

Date: 4th May 2026
On the occasion of Bhoomi Poojan of Rishi Galav University, Gwalior

Farewell NCC

Get-togather

The fresher and farewell party was organised by the NCC cell on 3rd April, 2026 .

NSS Cell

Achievement

राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर से लौटने पर हुआ सम्मान

शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय ग्वालियर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की स्वयंसेविका **सिमरन झा , स्नेहा श्रीवास, वैष्णवी** का राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर चित्रकूट से लौटने पर स्वागत अभिनंदन किया गया। मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा थीम के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर चित्रकूट के दीनदयाल शोध संस्थान में **8 से 14 मार्च**, **2026** तक आयोजित किया गया था।

दैनिक
हिन्दुस्तान की गूंज
RNI No. :MPHIN/2021/85251
वर्ष-5 अंक-152 ग्वालियर, शुक्रवार 27 मार्च 2026 मूल्य-2/- पृष्ठ-10

राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर से लौटने पर हुआ सम्मान

हिंदुस्तान कि गूंज

ग्वालियर। शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय ग्वालियर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की स्वयंसेविका सिमरन झा , स्नेहा श्रीवास, वैष्णवी का राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर चित्रकूट से लौटने पर स्वागत अभिनंदन किया गया। मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा थीम के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर चित्रकूट के दीनदयाल शोध संस्थान में 8 से 14 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया था, जिसमें प्रदेश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से लगभग 650 स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने विभिन्न सामाजिक कार्य, डिजिटल साक्षरता, वक्तव्य कला, परियोजना कार्य, बौध्दिक परिचर्चा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेकर शिविर को सफलतापूर्वक संपन्न करते हुए प्रमाण पत्र प्राप्त किया। इस अवसर पर छात्रा सिमरन झा द्वारा शिविर के उपरांत आए बदलाव एवं अनुशासन पर जोर देते हुए शिविर का अनुभव प्रस्तुत किया महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ साधना श्रीवास्तव ने तीनों स्वयंसेवकको को फूल माला पहनाकर उनका स्वागत एवं उत्साहवर्धन किया साथ ही छात्र संघ प्रभारी डॉ कृष्णा सिंह, कार्यक्रम अधिकारी डॉ अर्चना सेन, डॉ संगीता सोमवंशी, डॉ श्वेता पाराशर एवं इस अवसर में मेहगांव की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ गिरजा नरवरिया भी उपस्थित रही उन्होंने भी सभी स्वयंसेविकाओं को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर सभी को बधाई दी ।

राज्य स्तरीय एनएसएस सम्मेलन में ग्वालियर –चंबल के प्राचार्य एवं कार्यक्रम अधिकारी हुए शामिल

ग्वालियर। राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत 16 एवं 17 मार्च को भोपाल स्थित पंडित सुंदर लाल शर्मा व्यवसायिक शिक्षा संस्थान के निनाद सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय एनएसएस सम्मेलन-2026 में ग्वालियर और चंबल परिक्षेत्र के चयनित प्राचार्य और कार्यक्रम अधिकारी शामिल हुए। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत आयोजित इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी, प्राचार्य और सक्रिय स्वयंसेवकों ने भाग लिया। जीवाजी विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. हरिशंकर सिंह कंसाना के नेतृत्व मेंअंचल के प्राचार्य और स्वयं सेवक पहुंचे थे।

NSS Cell

स्वच्छता एक्शन प्लान अंतर्गत 05.06.2026 स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के अवसर पर श्री अशोक श्रोती जी, भारत सरकार उपकार्यक्रम सलाहकार, क्षेत्रीय निदेशक मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ का मार्गदर्शन मिला, स्वयंसेविकाओ को सर्टिफिकेट वितरण किया गया।

दैनिक हिन्दुस्तान की गूंज

वर्ष-5 अंक-105 ग्वालियर, शनिवार 07 फरवरी 2026 मूल्य-2/- पृष्ठ-10

स्वच्छता कार्यशाला एवं माय भारत बजट पर कार्यक्रम

ग्वालियर। शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय ग्वालियर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वच्छता कार्यशाला एवं माय भारत बजट क्विज का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ साधना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ अशोक कुमार श्रुति ,भारत सरकार, उपकार्यक्रम सलाहकार ,क्षेत्रीय निदेशक (मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़) की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ, विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम समन्वयक जीवाजी विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना डॉहरिशंकर सिंह कंसाना जी एवं जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना ग्वालियर डॉ मनोज अवस्थी जी उपस्थित रहे कार्यक्रम के अध्यक्षता प्रशासनिक अधिकारी डॉ दीपक पाठक जी ने की, इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि डॉक्टर अशोक कुमार श्रुति जी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें स्वच्छता को अपने जीवन शैली का आधार बनाए रखना के लिए प्रेरित किया और स्वच्छ भारत मिशन को पूरा करने में युवाओं के महत्वपूर्ण योगदान देने की बात कही,साथ ही उन्होंने सभी छात्राओं को माय भारत बजट क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि यह योजना केवल युवाओं के लिए है इसमें आप भाग लेकर अपनेविचारों को देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ चर्चा कर उनके साथ साझा करने का अवसर प्राप्त होगा इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक छात्राओं ने माय भारत बजट क्विज में रजिस्ट्रेशन करवाया कार्यक्रम में महाविद्यालय का समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के वॉलिंटियर्स एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ संगीता सोमवंशी, डॉ श्वेता पाराशर, आकाश सिंह उपस्थित रहे कार्यक्रम का आभार छात्र संघ प्रभारी डॉ कृष्णा सिंह ने किया एवं कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ अर्चना सेन द्वारा किया गया

वर्ष-18 | अंक-165 | ग्वालियर | शनिवार 07 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8 | मूल्य 3 रुपया

दैनिक नगर चिंगारी

हर पल आपके लिए

स्वच्छता कार्यशाला एवं माय भारत बजट क्विज आयोजित

नगर चिंगारी | ग्वालियर

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वच्छता कार्यशाला एवं माय भारत बजट क्विज का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अशोक कुमार श्रोती भारत सरकार उप कार्यक्रम सलाहकार क्षेत्रीय निदेशक (मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़) रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वच्छता कार्यक्रम में सहभागिता के लिए शुभकामनाएं दीं और बजट क्विज में अधिक से अधिक सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को बजट 2026 की जानकारी भी होना चाहिए और उनको अच्छे से अच्छे सुझाव प्रस्तुत भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कुछ प्रतियोगिता युवाओं को नीतियों के मामले में सहभागी करने का प्रयास कर रही है। कई विद्यार्थियों को माननीय प्रधानमंत्री जी से संवाद का सुअवसर भी प्राप्त होगा। विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम समन्वयक जीवाजी विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. हरिशंकर कंसाना एवं जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. मनोज अवस्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रशासनिक अधिकारी डॉ. सुनील पाठक ने की। कार्यक्रम में महाविद्यालय का सभी शैक्षणिक स्टाफ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के वॉलिंटियर्स एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संगीता सोमवंशी, डॉ. श्वेता पाराशर, आकाश सिंह उपस्थित रहे। संचालन कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अर्चना सेन ने किया। आभार छात्रसंघ प्रभारी डॉ. कृष्णा सिंह ने माना।

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन
दिनांक 23 फरवरी से 01 मार्च तक
ग्राम बजरंगपुरा,
आई.पी. एस. कॉलेज ग्वालियर

प्राचार्य
डॉ साधना श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया

ग्वालियर-शासकीय कमला राजा कन्या स्नानकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर 23 फरवरी से 1 मार्च तक ग्राम बजरंग पुरा,आई पी एस कॉलेज, में आयोजित हो रहा है। शिविर हेतु रा.से.यो इकाई की स्वयंसेविकाएं कार्यक्रम अधिकारी आयोजन स्थल पहुंचकर शिविर की पूर्व तैयारियों में जुटे। स्वयं सेविकाओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य, तथा शिविर की दिनचर्या को बताया। प्रथम दिवस की परियोजना कार्य अंतर्गत स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय परिसर एवं रॅली पोस्ट ग्राउंड की स्वच्छता की। शिविर का विधिवत उद्घाटन 24 फरवरी को किया। इस प्रकार सात दिवसीय विशेष शिविर का प्रथम दिवस उत्साह, अनुशासन एवं सहयोग की भावना के साथ संपन्न हुआ। शिविर में कार्यक्रम अधिकारी डॉ संगीता सोमवंशी, डॉ अर्चना सेन और डॉ श्वेता पाराशर उपस्थित थीं।

समाचार संकलन : ग्वालियर हलचल

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
NSS

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
राष्ट्रीय सेवा योजना
NSS

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
राष्ट्रीय सेवा योजना

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

RNI No. :MPHIN/2021/86261
दैनिक
हिन्दुस्तान की गूंज
वर्ष-5 अंक-128 ग्वालियर, सोमवार 02 मार्च 2026 मूल्य-2/- पृष्ठ-10

एनएसएस स्वयंसेविकाओ ने स्वच्छता अभियान चलाकर वृक्ष संरक्षण का दिया संदेश

हिंदुस्तान कि गूंज

शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष आवासीय शिविर के षष्ठम दिवस के परियोजना कार्य में सभी स्वयंसेविकाओ ने जलालपुर स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भ्रमण किया।स्वयं सेविकाओं ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर तीन घंटे का श्रम दान किया और आसपास की घास काटी एवं पेड़ों को चूना से रंग दिया ताकि पेड़ दीमक कीड़े-मकोड़े बैक्टीरिया संक्रमण आदि से बचे रहे। साथ ही वृक्ष संरक्षण का संकल्प लिया स्वच्छता अभियान डॉ शिशिर श्रीवास्तव, डिप्टी कमिश्नर नगर निगम एवं वाटर वोमेन सावित्री श्रीवास्तव, डीप नीर संस्था के सहयोग से हुआ। डॉ शिशिर श्रीवास्तव ने स्वयंसेविकाओं को गंदा पानी जिसमे मल, बैक्टीरिया आदि उपस्थित रहते है उसका फिल्ट्रेशन करने की प्रक्रिया को समझाया जिससे उसको फिर से उपयोग में लिया जा सके। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की 50 स्वयंसेविकाये के ससाथ कार्यक्रम अधिकारी डॉ संगीता सोमवंशी,डॉ अर्चना सेन एवं डॉ श्वेता पाराशर उपस्थित रही।

स्वदेश
ग्वालियर - मुख्य संस्करण
1 Mar 2026 | Page - 6

नीर वृक्ष विहार में 65 स्वयंसेविकाओं ने किया श्रमदान

स्वदेश संवाददाता ■ ग्वालियर

दिप्स नीर संस्था द्वारा जलालपुर स्थित नीर वृक्ष विहार में विशेष श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की 65 स्वयंसेविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अभियान में दिप्स नीर रेनवाटर हार्वेस्टिंग की संस्थापिका वाटर वूमेन सावित्री, एनएसएस अधिकारी डॉ. अर्चना सेन, संगीता सोमवंशी एवं एम. श्वेता की विशेष उपस्थिति रही। करीब तीन घंटे तक चले इस स्वच्छता अभियान में छात्राओं ने परिसर की साफ-सफाई, पौधों की देखभाल तथा वृक्षों की कटाई-छंटाई का कार्य किया। इस अवसर पर छात्राओं को एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) का भ्रमण भी कराया गया। एसटीपी विशेषज्ञ शिशिर श्रीवास्तव ने जल शोधन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण और जल बचाने का संकल्प लिया।

सांध्य दैनिक
श्रीराम एक्सप्रेस
सच के साथ

एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने चलाया स्वच्छता अभियान, दिया वृक्ष संरक्षण का संदेश

श्रीराम एक्सप्रेस। ग्वालियर

ग्वालियर। शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष आवासीय शिविर के षष्ठम दिवस के परियोजना कार्य में सभी स्वयंसेविकाओ ने जलालपुर स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भ्रमण किया। स्वयंसेविकाओं ने परिसर में स्वच्छता अभियान अंतर्गत तीन घंटे का श्रमदान किया और आसपास की घास काटी एवं पेड़ों को चूना से रंग दिया ताकि वृक्षादि दीमक, कीड़े-मकोड़े, बैक्टीरिया संक्रमण आदि से बचे रहें। साथ ही सभी ने वृक्ष संरक्षण का संकल्प लिया।

यह स्वच्छता अभियान डॉ शिशिर श्रीवास्तव, डिप्टी कमिश्नर नगर निगम एवं वाटर वूमेन सावित्री श्रीवास्तव, डीप नीर संस्था के सहयोग से हुआ। डॉ शिशिर श्रीवास्तव ने स्वयंसेविकाओं को गंदा पानी जिसमे मल, बैक्टीरिया आदि रहते हैं, उसका फिल्टरेशन करने की प्रक्रिया को समझाया, जिससे उसको फिर से उपयोग में लिया जा सके। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की 50 स्वयंसेविकाओ के साथ कार्यक्रम अधिकारी डॉ संगीता सोमवंशी, डॉ अर्चना सेन एवं डॉ श्वेता पाराशर उपस्थित रहीं।

समाज हित में संगठित होकर कार्य करने से आता है सकारात्मक परिवर्तन

केआरजी कॉलेज का राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शिविर शुरू

स्वदेश संवाददाता ■ ग्वालियर

शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर का राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा थीम के साथ ग्राम बजरंगपुरा स्थित आईपीएस महाविद्यालय में प्रारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में सेवार्थ जनकल्याण समिति के अध्यक्ष ओपी दीक्षित उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय की अकादमिक सचिव डॉ. साधना पांडेय उपस्थित रहीं। छात्रसंघ प्रभारी डॉ. कृष्णा सिंह एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मनोहर कटारिया भी कार्यक्रम में मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव ने की। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संगीता सोमवंशी ने शिविर की रूपरेखा एवं दिनचर्या की जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने पर्यावरण संरक्षण एवं साक्षरता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया तथा सामाजिक संवेदनशीलता, अनुशासन एवं टीमवर्क की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि ने कहा कि युवाशक्ति जब समाजहित में संगठित होकर कार्य करती है, तो सकारात्मक परिवर्तन निश्चित है। प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव ने एनएसएस के प्रतीक चिह्न के रंगों का महत्व बताते हुए स्वयंसेविकाओं को राष्ट्र निर्माण हेतु प्रेरित किया।

सांध्य दैनिक
श्रीराम एक्सप्रेस
सच के साथ
वर्ष : 16, अंक : 360 | ग्वालियर, सोमवार 02 मार्च 2026 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष · 14 (2082) | मूल्य : 3 रु. पृष्ठ : 08

विकसित भारत में महिलाओं की रहेगी महत्वपूर्ण भूमिका: कुलगुरू आचार्य

श्रीराम एक्सप्रेस। ग्वालियर

ग्वालियर। शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का विशेष आवासीय शिविर का समापन समारोह मुख्य अतिथि प्रो. राजकुमार आचार्य, कुलगुरु, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर और विशिष्ट अतिथि डॉ कुमार रत्नम, अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, ग्वालियर चंबल संभाग, की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय परंपरा के अनुसार सरस्वती पूजन एवं स्वामी विवेकानंद के चरणों में पुष्प अर्पित करके किया गया।

मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में कहा कि आने वाला कल बेटियों का है और विकसित भारत में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। विशिष्ट अतिथि ने कहा कि एनएसएस शिविर व्यक्तित्व विकास एवं निखार का माध्यम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ साधना श्रीवास्तव द्वारा की गई। जिन्होंने स्वयंसेविकाओ को बताया कि सीमित साधनों के उपयोग कभी भी जीवन प्रगति के मार्ग पर बाधा नहीं बन सकते, साथ ही कहा कि महिलाओं की उन्नति ही समाज एवं राष्ट्र की उन्नति है। स्वयंसेविकाओ ने बधाई गीत पर नृत्य प्रस्तुति दी और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर एक नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं ने शिविर के अनुभव सभी के साथ साझा किए। आदरणीय सम्मानीय अतिथियों के करकमलों द्वारा सभी स्वयंसेविकाओं को शिविर के प्रमाण पत्र और मेडल तथा शिविर के दौरान स्वयंसेविकाओं के मध्य करवाई गई प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली स्वयंसेविकाओं को ट्रॉफी वितरित की। महाविद्यालय से सहायक प्राध्यापक डॉ वासुदेव सिंह जादौन, कार्यक्रम अधिकारी डॉ संगीता सोमवंशी, डॉ अर्चना सेन एवं डॉ श्वेता पाराशर उपस्थित रहे। मंच संचालन कु. खुशी कुशवाह और सिमरन अग्रवाल द्वारा किया गया और आभार प्रदर्शन डॉ अर्चना सेन ने किया। अंत में राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम एवं शिविर का सफल समापन किया गया।

जल संरक्षण अभियान

28 से 29.03.2026
अंतर्गत महाविद्यालय स्थित ऐतिहासिक बावड़ी के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया।

स्वदेश

ग्वालियर - मुख्य संस्करण
30 Mar 2026 | Page - 5

केआरजी में जल संरक्षण का संकल्प, छात्राओं ने ऐतिहासिक बावड़ी की संभाली जिम्मेदारी

स्वदेश संवाददाता ■ ग्वालियर

नगर निगम के सहयोग से शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में दो दिवसीय जल संरक्षण अभियान का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं श्री साई एंटरप्राइजेज (दीप नीर रेनवॉटर हार्वेस्टिंग) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना रहा। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया। इस दौरान नगर निगम ग्वालियर के विशेष सहयोग से वाटर वूमेन सावित्री श्रीवास्तव, पीएचई एसडीओ शिशिर श्रीवास्तव तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्चना सेन के नेतृत्व में अभियान संचालित हुआ। इसमें डॉ. श्वेता पाराशर और डॉ. संगीता सोमवंशी का विशेष योगदान रहा।

अभियान में स्वयंसेविकाओं हिमांशी, सिमरन, स्नेहा, रौनक, वैष्णवी, गौरी, अंजलि और सीमा ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्राओं ने न केवल सफाई कार्य किया, बल्कि जल संरक्षण के महत्व को समझते हुए अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक किया। यह पहल जल संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का एक सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई।

जलालपुर कुंड पर श्रमदान, स्वच्छता और जनजागरूकता पर जोर

नगर निगम की आईईसी टीम द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वार्ड 63 स्थित जलालपुर कुंड पर श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान टीम ने कुंड परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में व्यापक सफाई अभियान चलाकर कचरे को एकत्रित कर उसका उचित निस्तारण कराया। इस मौके पर पार्षद शिवसिंह यादव, अपर आयुक्त प्रतीक राव, जेडओ शिल्पा दिनकर, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी विवेक त्यागी, स्वच्छता सर्वेक्षण के सलाहकार देवेंद्र निम, मॉनीटर विजयराज चौहान, डब्ल्यूएचओ ने भी श्रमदान किया।

10.04.2026
ग्वालियर किले में स्थित सूरजकुंड में तीन घंटे का श्रमदान कर तालाब में स्थित जलकुंभी और अन्य जलीय खरपतवार को हटाया गया।

दैनिक सत्ता सुधार

ब्रांड एंबेसडर ने किया स्वच्छता एवं जल संरक्षण हेतु विशेष अभियान का आयोजन

ग्वालियर। सावित्री श्रीवास्तव वाटर वूमेन ब्रांड एंबेसडर (नगर निगम ग्वालियर) के निर्देशन में 'जल गंगा संवर्धन' अभियान के अंतर्गत सूरजकुंड क्षेत्र में स्वच्छता एवं जल संरक्षण को लेकर एक विशेष सफाई अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान में केआरजी की टीम एव राष्ट्रीय सेवा योजना के 20 स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। साथ ही डीप्स नीर संस्था के कर्मचारी, डॉ अर्चना सेन एवं रवि नंदोतिया ने मिलकर परिसर की सफाई की तथा जल स्रोत को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया। अभियान के दौरान उपस्थित नागरिकों को जल संरक्षण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। वक्ताओं ने बताया कि स्वच्छ जल स्रोत ही स्वस्थ समाज की पहचान है, अतः सभी नागरिकों का दायित्व है कि वे जल स्रोतों की सुरक्षा एवं स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं। यह अभियान केवल सफाई तक सीमित न रहकर जन-जागरूकता का एक प्रभावी माध्यम भी बना, जिसने लोगों को जल संरक्षण के प्रति प्रेरित किया। स्वच्छ जल स्रोत ही स्वस्थ समाज की पहचान है। आइये, मिलकर इन्हें सुरक्षित करें।

दैनिक हिन्दुस्तान की गूंज

RNI No. :MPHIN/2021/85251

वर्ष-5 अंक-167 ग्वालियर, शनिवार 11 अप्रैल 2026 मूल्य-2/- पृष्ठ-10

एन एस एस ने किया जल संरक्षण का आह्वान

शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय ग्वालियर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं डिप्स नीर वाटर हार्वेस्टिंग संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन हेतु जल स्वच्छता अभियान दिनांक 10.4.2026 को चलाया गया प्राचार्य डॉ साधना श्रीवास्तव के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ अर्चना सेन तथा वाटर वूमेन सावित्री श्रीवास्तव ,नगर निगम के ओएसडी शिशर श्रीवास्तव तथा स्वयंसेवक हिमांशी, वैष्णवी, स्नेहा, सिमरन, सीमा, अंजलि, वर्षा एवं गौरी शर्मा, रवि स्वयंसेवकों के साथ नगर निगम के कर्मचारीयों ने तीन घंटे का श्रमदान कर तालाब में स्थित जलकुंभी को हटाया किले में स्थित सूरजकुंड जो की औषधि जल के लिए प्रसिद्ध है इस कुंड में जलकुंभी की समस्या से यह वर्तमान में ग्रसित है इसे स्वच्छ करने की मुहिम प्रशासन द्वारा भी चलाई जा रही है ताकि इसके औषधीय जल का उपयोग आम जन के हित में किया जा सके, जल है तो कल है के महत्व को समझते हुए सभी स्वयंसेवकों ने जल को संरक्षित करने का संकल्प लिया

22.04.2026

पृथ्वी दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम

"युवा सप्ताह"

15.01.2026 के अंतर्गत आश्रम स्वर्ग सदन में निवासरत सभी वृद्ध जनों को ऊनी कपड़े, एवं गजक, मिठाई का वितरण किया ।

शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय ग्वालियर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा दिनांक 27.04.2026 से संस्कार, सेवा ,समर्पण की भावना के साथ मानव सेवा हेतु पीने के पानी की प्याऊ ईदगाह कंपू तिराहे पर प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव के निर्देशन और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्चना सेन के नेतृत्व में संचालित की जा रही है जिसमें स्वयंसेवीका हिमांशी कुशवाहा, अंजली परिहार, मुस्कान एवं कशिश का विशेष सहयोग रहा ।

Institute of Law

3rd to 14th February, 2026

preparation Session at Moot Court instuitute of Law Govt. K.R.G.P.G. College, Gwalior

14th February, 2026

Seminar on

"Personality Development"

by SICS Institute, Gwalior

17th February 2026

"Special Lecture"

शिक्षण संस्थान में पडने वाली छात्राओ व कार्य स्थलों पर नारियों के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न के कारण व निवारण के उपाय

दैनिक **सत्ता सुधार**

ग्वालियर ■ रविवार 01 मार्च 2026 ■ वर्ष-27 ■ अंक-223 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

जनता के साथ जनता की आवाज

केआरजी कॉलेज में लगी इंटरा मूट कोट

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

माय लार्ड संविधान में मौलिक अधिकार स्पष्ट है कि शिक्षा के लिए किसी को रोका नहीं जा सकता। फिर क्यों परीक्षा में बैठने देने में दिक्कत आ रही है। कोर्ट रुम में याचिकाकर्ता कोट 12 ने अपने तर्क डिवीजन बेंच के समक्ष रखे तो कार्ट रुम में तर्कों को सराहा गया। यह दृश्य शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय ग्वालियर के विधि संस्थान का था। जहा इंट्रा मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2026 का फाइनल चल रहा था। इस दौरान प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव, समन्वयक डॉ शिशिर कश्यप, सह समन्वयक डॉ अंजू यादव सहित पूरा विधिविभाग प्रतिभागियों के तर्कों उनसे जुड़ी धाराओं को नोट डाउन कर चेक करते रहे। इस मूट कोर्ट अधिवक्ता महेश गोयल (सचिव, बार एसोसिएशन, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, खंडपीठ ग्वालियर) एवं प्रशांत शर्मा (सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी) निर्णायक रहे। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल एवं फाइनल राउंड आयोजित किए गए।

परिणाम

टीम कोड-12 विजेता एवं टीम कोड-3 उपविजेता रही। बेस्ट रिसर्चर प्रेरणा रजक, बेस्ट स्पीकर सिमरन चाँदरानी एवं वैष्णवी पाराशर, बेस्ट मेमोरियल वैष्णवी पाराशर, वैष्णवी दुबौलिया, अंकिता मेहता रहीं।

संविधान आधारित केस पर टीम कोड 12 (याचिकाकर्ता), जिसमें प्रियंका शर्मा, आयुषी सिंह राठौर, गरिमा कुशवाह एवं टीम कोड 3 प्रत्यर्थी (सिमरन चाँदरानी, दिव्यांशी शर्मा, प्रेरणा रजक) ने डिवीजन बेंच के समक्ष 30-30 मिनट में अपने तर्क प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का समापन समारोह दोपहर 4:30 बजे आयोजित हुआ। जिसमें प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव, संस्थान के समन्वयक डॉ. शिशिर कश्यप, सह-समन्वयक अंजू यादव, सभी फैकल्टी सदस्य एवं लगभग 250-छात्राएँ उपस्थित रहीं। आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

23rd March, 2026

Lecture on

"Research Methodology"

Collaborative Event (Lecture) with Madhav Vidhi Mahavidyalaya, Gwalior

04th April, 2026

Moot Court & Short Team Course Certificate Distribution Ceremony

National Science Day : 2026

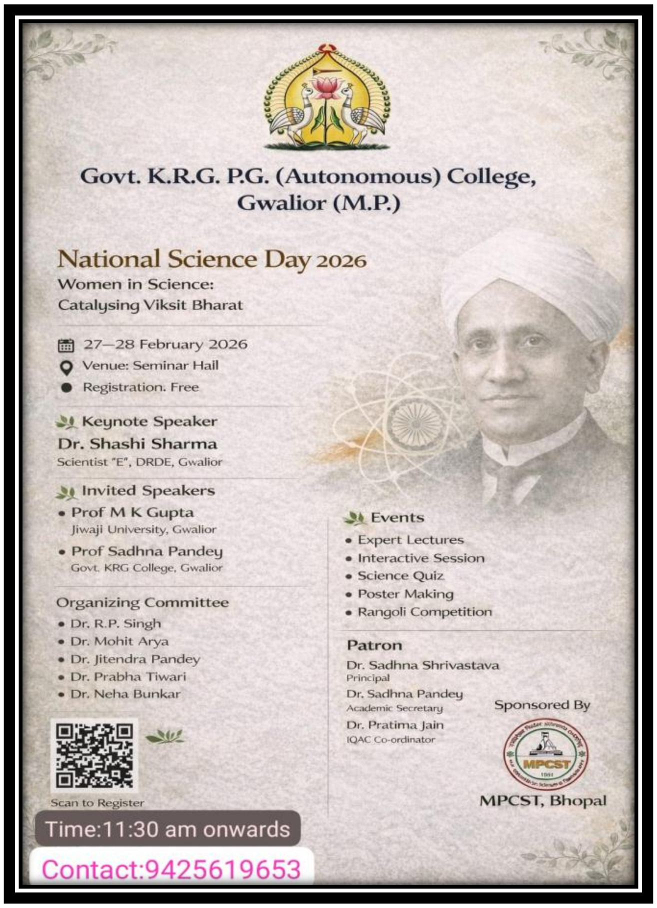

27 एवं 28 फरवरी 2026 को "Women in Science: Catalysing Viksit Bharat" विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का द्वि-दिवसीय आयोजन अत्यंत उत्साह एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना तथा विकसित भारत के निर्माण में उनके योगदान को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. साधना श्रीवास्तव ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी राष्ट्र को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आर. पी. सिंह ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिवस महान वैज्ञानिक Sir C. V. Raman की खोज 'रमन प्रभाव' की स्मृति में मनाया जाता है। उन्होंने छात्राओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य वक्ता डॉ शशी शर्मा वैज्ञानिक, डीआरडीई ग्वालियर ने अपने व्याख्यान में विज्ञान के विविध क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों, अनुसंधान के नवीन आयामों तथा रक्षा अनुसंधान में हो रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

आमंत्रित वक्ता प्रो. एम के गुप्ता जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने विज्ञान शिक्षा, नवाचार और उच्च शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को अनुसंधान एवं प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. नेहा बुनकर द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन डॉ. प्रभा तिवारी ने किया। शैक्षणिक सचिव डॉ. साधना पाण्डेय एवं आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. प्रतिमा जैन , डा. दीपक पाठक की विशेष उपस्थिति एवं डा. मोहित आर्य, जितेंद्र पांडे, मयंक सिंह, दीपक सैनी के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें पोस्टर निर्माण, रंगोली एवं विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रमुख रहे। छात्राओं ने विज्ञान आधारित रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से महिला वैज्ञानिकों के योगदान को दर्शाया। विज्ञान प्रश्नोत्तरी में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी वैज्ञानिक समझ और त्वरित उत्तर क्षमता का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। यह दो दिवसीय आयोजन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी, ज्ञानवर्धक एवं सफल सिद्ध हुआ।

विज्ञान में महिलाएं विकसित भारत को उत्प्रेरित करना विषय पर कार्यक्रम आयोजित

नगर चिंगारी | ग्वालियर

शा. केआरजी महाविद्यालय में 27 एवं 28 फरवरी 2026 को विज्ञान में महिलाएं विकसित भारत को उत्प्रेरित करना विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का द्वि-दिवसीय आयोजन अत्यंत उत्साह एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना तथा विकसित भारत के निर्माण में उनके योगदान को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. साधना श्रीवास्तव ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी राष्ट्र को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आरपी सिंह ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिवस महान वैज्ञानिक सीवी रमन की खोज 'रमन प्रभाव' की स्मृति में मनाया जाता है। उन्होंने छात्राओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता डॉ शशी शर्मा वैज्ञानिक डीआरडीई ने अपने व्याख्यान में विज्ञान के विविध क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों, अनुसंधान के नवीन आयामों तथा रक्षा अनुसंधान में हो रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। आमंत्रित वक्ता प्रो. एमके गुप्ता जीवाजी विश्वविद्यालय ने विज्ञान शिक्षा, नवाचार और उच्च शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को अनुसंधान एवं प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

दैनिक

सत्ता सुधार

जनता के साथ जनता की आवाज

विज्ञान में महिलाएं विकसित भारत को उत्प्रेरित करना विषय पर कार्यक्रम आयोजित

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

शा. केआरजी महाविद्यालय में 27 एवं 28 फरवरी 2026 को विज्ञान में महिलाएं विकसित भारत को उत्प्रेरित करना विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का द्वि-दिवसीय आयोजन अत्यंत उत्साह एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना तथा विकसित भारत के निर्माण में उनके योगदान को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. साधना श्रीवास्तव ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी राष्ट्र को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आरपी सिंह ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिवस महान वैज्ञानिक सीवी रमन की खोज 'रमन प्रभाव' की स्मृति में मनाया जाता है। उन्होंने छात्राओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता डॉ शशी शर्मा वैज्ञानिक डीआरडीई ने अपने व्याख्यान में विज्ञान के विविध क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों, अनुसंधान के नवीन आयामों तथा रक्षा अनुसंधान में हो रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। आमंत्रित वक्ता प्रो. एमके गुप्ता जीवाजी विश्वविद्यालय ने विज्ञान शिक्षा, नवाचार और उच्च शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को अनुसंधान एवं प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें पोस्टर निर्माण, रंगोली एवं विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रमुख रहे। छात्राओं ने विज्ञान आधारित रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से महिला वैज्ञानिकों के योगदान को दर्शाया। विज्ञान प्रश्नोत्तरी में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी वैज्ञानिक समझ और त्वरित उत्तर क्षमता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। यह दो दिवसीय आयोजन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी, ज्ञानवर्धक एवं सफल सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. नेहा बुनकर द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन डॉ. प्रभा तिवारी ने किया। शैक्षणिक सचिव डॉ. साधना पाण्डेय एवं आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. प्रतिमा जैन, डा. दीपक पाठक की विशेष उपस्थिति एवं डा. मोहित आर्य, जितेंद्र पांडे, मयंक सिंह, दीपक सैनी के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

Annual Prize Distribution Ceremony

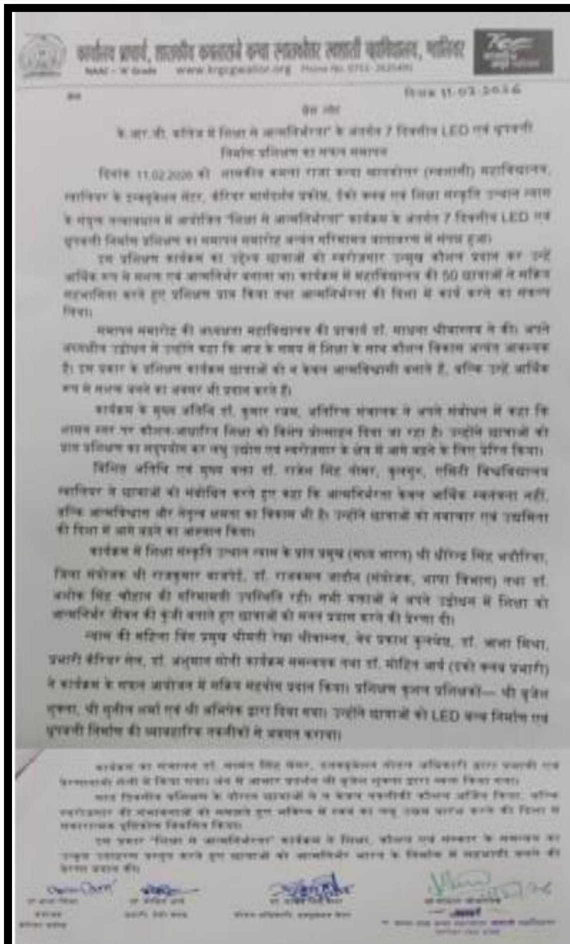

Carrear Counseling Cell

Swadesh N...
vadeshnews.in

जाएगा। कार्यक्रम के दौरान तीन दिन सैद्धांतिक कक्षाएं संचालित की जाएंगी, जबकि 4 एवं 5 फरवरी को ग्वालियर के आसपास के क्षेत्रों में विद्यार्थियों को फील्ड मैपिंग का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उन्हें वास्तविक कार्य अनुभव प्राप्त हो सके। इस अवसर पर डॉ. पीएस कौरव, गौरव तिवारी, पायल परमार सहित विभाग के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

केआरजी महाविद्यालय में एलईडी और धूपबत्ती बनाना सिखाया

ग्वालियर। शासकीय केआरजी महाविद्यालय में छात्राओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित कर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सात दिवसीय एलईडी एवं धूपबत्ती निर्माण प्रशिक्षण का प्रारंभ सीखो कमाओ योजना के अंतर्गत शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के सहयोग से किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य डॉ. बीपीएस जादौन थे। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.साधना श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर डॉ साधना पांडे अकादमिक सचिव, डॉ. दीपक पाठक प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की ओर से राजकुमार वाजपेयी, प्रशिक्षक ब्रजेश कुमार शुक्ला, सुनील शर्मा एवं अभिषेक उपस्थित थे। प्रशिक्षण में 52 छात्राओं ने सहभागिता की।

रेड क्रॉस सोसायटी अंतर्गत विश्व रेड क्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम: दिनांक 8 मई 2026

Red Cross Society द्वारा मनाए जाने वाले विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर हमारे संस्थान में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा प्राथमिक उपचार के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का आयोजन प्रातः निर्धारित समय पर कक्ष क्रमांक 12 में किया गया, छात्राओं ने पूरे उत्साह एवं रुचि के साथ कार्यक्रम में भाग लिया तथा विभिन्न प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार देने के तरीके भी समझाए गए, जिससे वे स्वयं तथा दूसरों की सहायता कर सकें। सम्पूर्ण कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य महोदया साथ ही रेड क्रॉस की संयोजक डॉ. सुधा कुशवाह, डॉ. लता मिश्रा, डॉ. कल्पना शर्मा, डॉ. पूर्वी राय, डॉ. विनीता त्यागी एवं अन्य प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

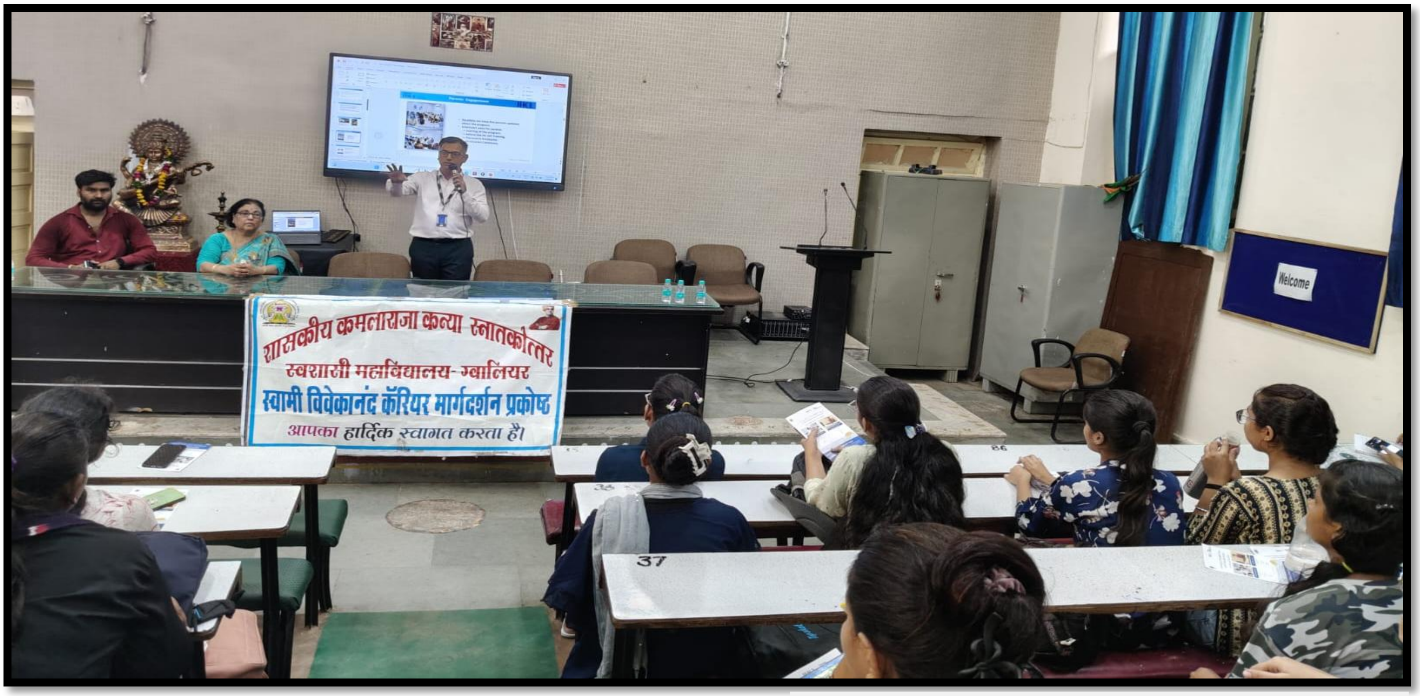

दिनांक 16.02.2026 टाटा स्ट्राइव कंपनी के सेंटर मैनेजर श्री चिराग़ त्रिखा द्वारा होटल मैनेजमेंट तथा हॉस्पिटैलिटी कोर्स हेतु करियर काउंसलिंग।

NISM National Institute of Securities Markets | SEBI भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड Securities and Exchange Board of India

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

is awarded to

KIRTI YADAV

from DEPARTMENT OF BUSINESS ADMINISTRATION, GOVERNMENT KAMLA RAJA GIRLS PG COLLEGE (UG Category)

for participating in the National Financial Literacy Quiz 2026 (College Round)

Sashi Krishnan, Director, National Institute of Securities Markets

Sunil J. Kadam, Executive Director, Securities and Exchange Board of India

NISM National Institute of Securities Markets | SEBI भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड Securities and Exchange Board of India

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

is awarded to

HARSHITA GUPTA

from DEPARTMENT OF BUSINESS ADMINISTRATION, GOVERNMENT KAMLA RAJA GIRLS PG COLLEGE (UG Category)

for participating in the National Financial Literacy Quiz 2026 (College Round)

Sashi Krishnan, Director, National Institute of Securities Markets

Sunil J. Kadam, Executive Director, Securities and Exchange Board of India

NISM National Institute of Securities Markets | SEBI भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड Securities and Exchange Board of India

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

is awarded to

KAREENA JUNEJA

from DEPARTMENT OF BUSINESS ADMINISTRATION, GOVERNMENT KAMLA RAJA GIRLS PG COLLEGE (UG Category)

for participating in the National Financial Literacy Quiz 2026 (College Round)

Sashi Krishnan, Director, National Institute of Securities Markets

Sunil J. Kadam, Executive Director, Securities and Exchange Board of India

NISM National Institute of Securities Markets | SEBI भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड Securities and Exchange Board of India

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

is awarded to

SNEHA PAL

from DEPARTMENT OF BUSINESS ADMINISTRATION, GOVERNMENT KAMLA RAJA GIRLS PG COLLEGE (UG Category)

for participating in the National Financial Literacy Quiz 2026 (College Round)

Sashi Krishnan, Director, National Institute of Securities Markets

Sunil J. Kadam, Executive Director, Securities and Exchange Board of India

दिनांक 08.04.2026 को NISM (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी मार्केट) तथा SEBI के सौजन्य से NFLQ 2026 का ऑनलाइन आयोजन महाविद्यालय स्तर पर किया गया । जिसमें सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए तथा प्रथम तीन अधिकतम अंक पाने वाली प्रत्येक छात्रा को रु 500/ राशि के वाउचर से NISM द्वारा पुरस्कृत किया गया।

Eco Club

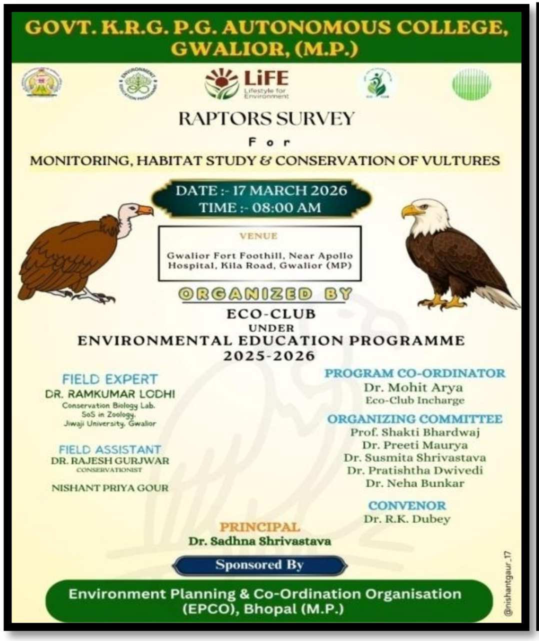

Raptors Survey

17th March 2026

इको क्लब द्वारा गिद्धों के संरक्षण एवं आवास प्रबंधन हेतु सर्वे का आयोजन दिनांक 17 मार्च 2026 को ग्वालियर किले की तलहटी में किया गया जिसमें छात्राओं द्वारा गिद्धों की तीन प्रजातियों की पहचान की गई।

दैनिक नगर चिंगारी हर पल आपके लिए

विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

नगर चिंगारी|ग्वालियर

शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ साधना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में इको क्लब प्रभारी डॉ मोहित आर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में पुष्पीय, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया जिसमें गुलाब, मोगरा, चमेली, गुड़हल, बोगनविलिया, चंपा, शमी, तुलसी, मीठानीम, आंवला, कटहल, जामुन, अमरुद, सीताफल, अनार, नींबू सहित अन्य पौधों का रोपण किया गया। साथी महाविद्यालय की छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई एवं पर्यावरण संरक्षण में प्रत्येक व्यक्ति के योगदान की आवश्यकता से अवगत कराते हुए डॉ राजेंद्र कुमार दुबे विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र द्वारा छात्राओं को शपथ ग्रहण कराई गई।

5 जून 2026 "विश्व पर्यावरण दिवस" पर कार्यक्रम का आयोजन

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ साधना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में इको क्लब प्रभारी डॉ मोहित आर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में पुष्पीय, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया जिसमें गुलाब, मोगरा, चमेली, गुड़हल, बोगनविलिया, चंपा, शमी, तुलसी, मीठानीम, आंवला, कटहल, जामुन, अमरुद, सीताफल, अनार, नींबू सहित अन्य पौधों का रोपण किया गया। साथी महाविद्यालय की छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई एवं पर्यावरण संरक्षण में प्रत्येक व्यक्ति के योगदान की आवश्यकता से अवगत कराते हुए डॉ राजेंद्र कुमार दुबे विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र द्वारा छात्राओं को शपथ ग्रहण कराई गई। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ कुमकुम माथुर, डॉ सुधा कुशवाह, डॉ वीणा शुक्ला, डॉ दीपक पाठक, डॉ, शक्ति भारद्वाज, डॉ प्रीति मौर्य, डॉ सुष्मिता श्रीवास्तव, डॉ नेहा बुनकर, डॉ दीपक सैनी, डॉ जितेंद्र पांडे सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही। कार्यक्रम हेतु वनमंडल ग्वालियर द्वारा निशुल्क पौधे प्रदान किए गए एवं रागिनी फाउंडेशन के श्री सनाउल्लाह द्वारा भी सहयोग प्रदान किया गया।

इको क्लब द्वारा **एक पेड़ मां के नाम** कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय में जलविहार के चारों ओर फूलों वाले पौधों का रोपण किया गया जिसमें गुड़हल, चंपा, चमेली, सदाबहार, मोगरा का रोपण प्राचार्य एवं स्टाफ के सदस्य द्वारा किया गया।

Clean and Plastic-Free Campus

09.03.2026

Activity was conducted to spread awareness among students about the harmful effects of single-use plastic. During the program, students were informed about how plastic pollution damages the environment, harms wildlife, and affects human health.

They were guided and educated on avoiding single-use plastic items like polythene bags and plastic bottles, and encouraged to use eco-friendly alternatives such as cloth bags and reusable containers. The activity helped in building awareness and motivated students to adopt cleaner and more sustainable habits for a Plastic-free campus.

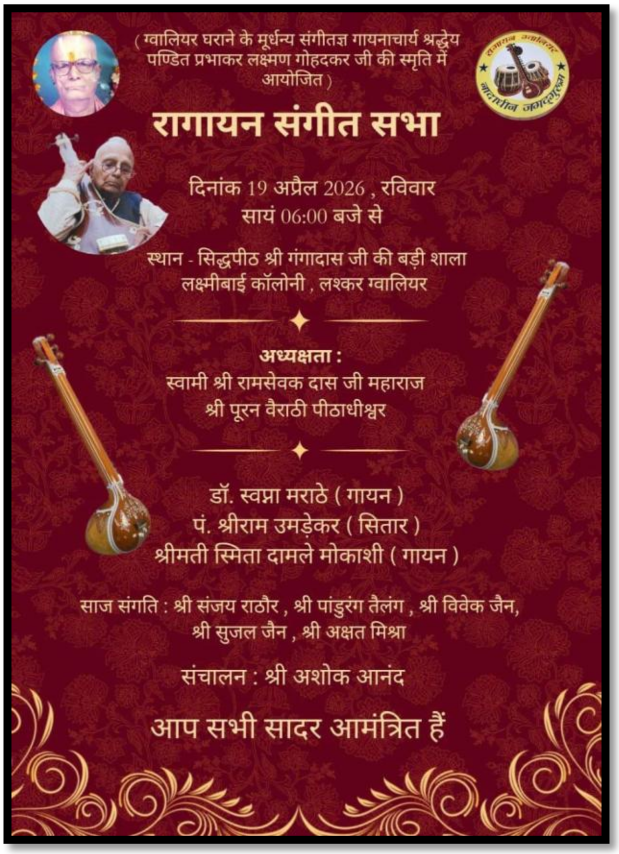

शास्त्रीय गायन संगीत सभा

दिनांक 19 अप्रेल 2026 को रागायन संगीत सभा में सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला में, ग्वालियर घराने के मूर्धन्य संगीतज्ञ श्रद्धेय पंडित पी. एल. गोहदकर की स्मृति में आयोजित में मेरे द्वारा शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी गई।

संगीत सभा में डॉ. स्वप्न मराठे ने गायन पेश किया
दिनांक: 19 अप्रैल 2026

MUSICAL EVE

पंडित प्रभाकर लक्ष्मण गोहदकर की याद में गंगादास की बड़ी शाला में सजी संगीत स

राग मधुवंती की बंदिश ने किया सांझ का श्रृंगा

सिटी रिपोर्टर • ग्वालियर

ग्वालियर घराने के मूर्धन्य गायक पंडित प्रभाकर लक्ष्मण गोहदकर की स्मृति में लक्ष्मीबाई कॉलोनी स्थित गंगादास की शाला में रागायन संगीत सभा रविवार को सजी। इसमें पं. गोहदकर को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद कलाकारों ने शास्त्रीय गायन और वादन कर उन्हें स्वरांजलि दी। सभा की शुरुआत गायिका स्वप्ना मराठे के शास्त्रीय गायन से हुई। उन्होंने अपने गायन के लिए राग मधुवंती का चयन किया और इसमें संगीताचार्य रामाश्रय झा की रचित बंदिश सुनाई। बड़ा ख्याल में पहली बंदिश ए लाल के नैना अंजना सोहत और छोटा ख्याल में बंदिश माने मनाएं नाहीं कैसे जाऊं रे सखी पनघटवा... की प्रस्तुति दी। उन्होंने अपनी गायकी का समापन मीराबाई के भजन दरस बिना दुखन लागे नैन... से किया। इनके साथ तबले पर सुजल जैन और हारमोनियम पर अक्षत मिश्रा ने संगत की। सभा की अगली प्रस्तुति वरिष्ठ संगीतज्ञ पं. श्रीराम उमड़ेकर के सितार वादन की रही। उन्होंने राग जोग के माध्यम से वादन की गरिमा को स्थापित किया। उन्होंने स्वरों की गहराई और विस्तार को सजीव कर दिया। इनके साथ तबला संगत संजय राठौर ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला के महंत रामसेवक दास महाराज ने की। इस अवसर पर राजा मानसिंह संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरु डॉ. स्मिता सहस्त्रबुद्धे के अलावा खासी संख्या में संगीत प्रेमियों की मौजूदगी रही।

• संगीत सभा में वरिष्ठ संगीतज्ञ पं. श्रीराम उमड़ेकर ने प्रभावी वादन किया। साथ ही डॉ. स्वप्ना मराठे ने गायन पेश किया।

राग बागेश्री में खिला भाव

संगीत सभा की अंतिम प्रस्तुति इंदौर से आई गा स्मिता दामले मोकाशी ख्याल गायन की रही। उ राग बागेश्री में बंदिश स मन लागे न... की प्रस्तुति शुरुआत की। इसके बा उन्होंने जो हमने तुमसे कही... और वेग वेग आ जैसी बंदिशों के माध्यम की भाव संपन्नता को स से अभिव्यक्त किया। इ साथ तबले पर पांडुरंग और हारमोनियम पर जैन ने संगत की। कार्य का संचालन अशोक ने किया।

संगीत विभाग की गतिविधियाँ

दिनांक **14 मार्च 2026** को प्रातः 8:00 बजे से प्रारंभ होकर 15 मार्च 2026 की प्रातः तक आयोजित “स्वरताल परिक्रमा” कार्यक्रम में संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा सहभागिता की गई। उक्त कार्यक्रम 24 घंटे का अखंड सांगीतिक आयोजन था, जिसमें विभागीय छात्राओं ने डॉ. अनूप मोघे के निर्देशन में समूह गायन की प्रस्तुति प्रदान की।

कार्यक्रम में 100 से अधिक कलाकारों द्वारा गायन एवं वादन की विविध प्रस्तुतियाँ दी गईं। आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों को संगीत की विभिन्न विधाओं को समीप से समझने एवं अनुभवी कलाकारों की प्रस्तुतियों का अवलोकन करने का अवसर प्राप्त हुआ।

उक्त गतिविधि से छात्राओं को संगीत विषय में व्यावसायिक एवं पेशेवर संभावनाओं को समझने में सहायता मिली। साथ ही संगीत के क्षेत्र में भविष्य निर्माण एवं कला के विविध आयामों के प्रति उनकी समझ एवं रुचि का विकास हुआ। कार्यक्रम ने छात्राओं में आत्मविश्वास, मंचीय अनुभव तथा सांगीतिक अभिरुचि के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Sport Department

नई सोच, नया अंदाज

नईदुनिया

अनुशासन और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं खेल

केआरजी कालेज में पुस्तक का विमोचन करते हुए अतिथिगण • संस्थान

- केआरजी कालेज में 200 प्रतिभाओं का सम्मान
- कार्यक्रम के दौरान हुआ पुस्तक का विमोचन

ग्वालियर: खेल केवल मैदान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं। यह बात सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने गुरुवार को शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के वार्षिक क्रीड़ा पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डा. साधना श्रीवास्तव ने की। विशिष्ट अतिथि पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष मीना सचान, पूर्व निदेशक शारीरिक शिक्षा विभाग जीवाजी विश्वविद्यालय से डा. केशव सिंह गुर्जर, पूर्व जनभागीदारी समिति सदस्य अरविंद रघुवंशी, अंजली बत्रा एवं कार्यक्रम संयोजक क्रीड़ा अधिकारी मनोहर कटारिया उपस्थित रहे। शुरुआत में सरस्वती पूजन एवं सरस्वती वंदना हुई।

स्वागत भाषण प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव ने दिया। इसके बाद क्रीड़ा अधिकारी मनोहर कटारिया व विभागाध्यक्षों ने पुष्पहार देकर स्वागत किया।

समर्पण और कड़ा परिश्रम ही सफलता का मूलमंत्र: मुख्य अतिथि नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि समर्पण और कड़ा परिश्रम ही सफलता का मूलमंत्र है। साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ना समय की मांग है। प्राचार्य डा. साधना श्रीवास्तव ने छात्राओं से कहा कि वे विकसित भारत बनाने की दिशा में सहयोग करें। साथ ही नशा मुक्त भारत अभियान से भी जुड़ें। मीना सचान ने क्रीड़ा गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स बनवाने की मांग रखी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजक डा. कृष्णा सिंह द्वारा 'लोक व जनजातीय संस्कृति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर संपादित पुस्तक का विमोचन भी किया। वहीं विभिन्न खेल स्पर्धाओं के साथ एनसीसी, एनएसएस एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 200 से अधिक छात्राओं को पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। संचालन क्रीड़ा समिति संयोजक डा कृष्णा सिंह ने किया एवं आभार प्रशासनिक अधिकारी डा. दीपक पाठक ने व्यक्त किया। वि.

प्रदेश टुडे

केआरजी कॉलेज में 200 प्रतिभाओं का सम्मान और पुस्तक का हुआ विमोचन

'कौशल, अनुशासन और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं खेल'

प्रदेश टुडे संवाददाता, ग्वालियर

पीपुल्स समाचार

कौशल, अनुशासन और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं खेल: मंत्री कुशवाह

केआरजी कॉलेज में वार्षिक क्रीड़ा समारोह में 189 छात्राओं को मिले पुरस्कार

पीपुल्स संवाददाता ● ग्वालियर

विकसित भारत बनाने की दिशा में सहयोग करें

आचरण

ग्वालियर, भोपाल एवं सागर से प्रकाशित

वार्षिक क्रीड़ा समारोह में छात्राओं ने बिखेरा दमखम, पुरस्कार वितरण के साथ वार्षिक पुस्तिका का विमोचन

के.आर.जी. कॉलेज में प्रतिभाओं का सम्मान, मंत्री कुशवाह ने बढ़ाया हौसला

● आचरण संवाददाता

स्वदेश

प्रतिभाओं का सम्मान और वार्षिक पुस्तक का किया विमोचन

कौशल, अनुशासन और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं खेल : कुशवाह

स्वदेश संवाददाता ■ ग्वालियर

राज एक्सप्रेस

सच कहने का साहस और सलीका

आयोजन केआरजी कॉलेज में 200 प्रतिभाओं का सम्मान और पुस्तक का विमोचन

कौशल और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं खेल: मंत्री कुशवाह

● ग्वालियर / राज न्यूज नेटवर्क

खेल केवल मैदान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं। यह बात सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने गुरुवार को शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के वार्षिक क्रीड़ा पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव ने की।

कुशवाह ने कहा कि समर्पण और कड़ा परिश्रम ही सफलता का मूलमंत्र है। नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ना समय की मांग है। प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव ने छात्राओं से कहा कि वे

विकसित भारत बनाने की दिशा में सहयोग करें। साथ ही नशा मुक्त भारत अभियान से भी जुड़ें। मीना सचान ने क्रीड़ा गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनवाने की मांग रखी। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजक डॉ. कृष्णा सिंह द्वारा ''''लोक व जनजातीय संस्कृति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर संपादित पुस्तक का विमोचन भी किया गया। वहीं विभिन्न खेल स्पर्धाओं के साथ एनसीसी, एनएसएस एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालीं 200 से अधिक छात्राओं को पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

संचालन क्रीड़ा समिति संयोजक डॉ. कृष्णा सिंह एवं आभार प्रशासनिक अधिकारी डॉ. दीपक पाठक ने व्यक्त किया। विशिष्ट अतिथि पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष मीना सचान, पूर्व निदेशक शारीरिक शिक्षा विभाग जीवाजी विवि डॉ. केशव सिंह गुर्जर, पूर्व जनभागीदारी समिति सदस्य अरविंद रघुवंशी, अंजली बत्रा एवं कार्यक्रम संयोजक क्रीड़ा अधिकारी मनोहर कटारिया थे।

Education
Excursions

Chemistry Department

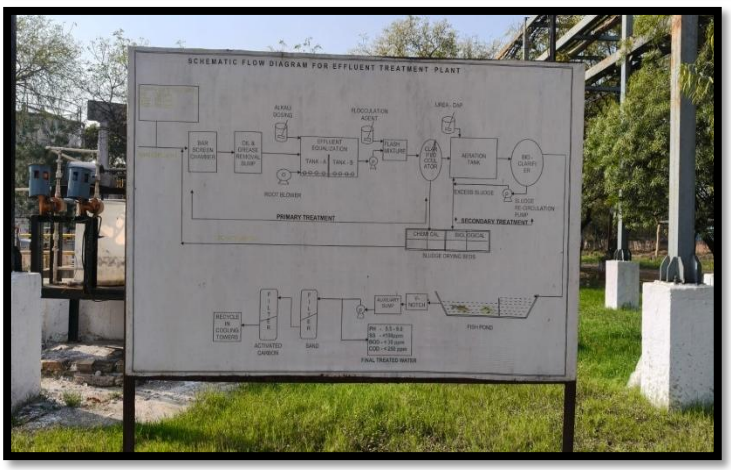

24 फरवरी 2026 को रसायन शास्त्र विभाग एवं औद्योगिक रसायन शास्त्र की छात्राओं को मालनपुर स्थित पॉलीमर से संबंधित "Montage Enterprises Pvt Ltd" (Chips division only) इंडस्ट्री का विजिट कराया गया। इंडस्ट्री प्रबंधन ने छात्राओं को अलग-अलग ग्रुप में विभाजित कर अलग-अलग यूनिट्स की वर्किंग को संक्षेप में बताया।

Sociology Department

समाज शास्त्र विभाग द्वारा ग्रामीण और क़स्बों के सामाजिक सांस्कृतिक जीवन का परिचय , धार्मिक स्थलों का महत्त्व आवास का स्वरूप कृषि का बदलती संरचना के अध्ययन के लिए महालक्ष्मीजी मंदिर जौरासी नवग्रह मन्दिर डबरा एवं धूमेश्वर महादेव मंदिर भितरवार के शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन दिनांक 14 मार्च 2026 को किया गया।

Geography Department

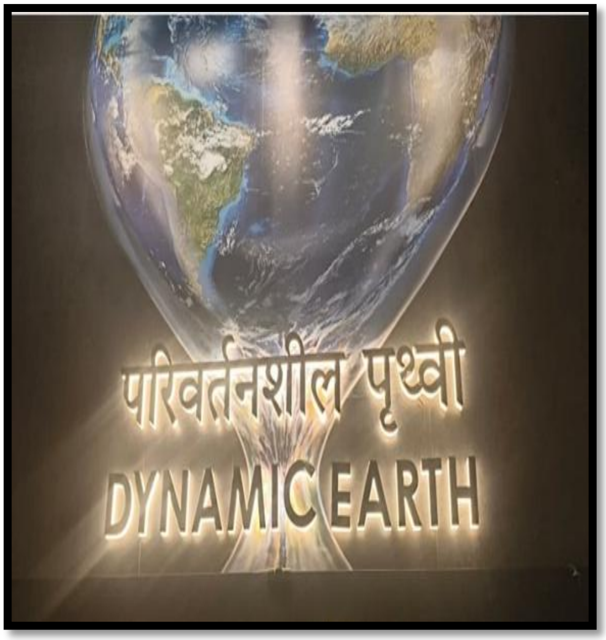

भूगोल विभाग : भौगोलिक भ्रमण

दिनांक 17.03.2026 को भूगोल विभाग द्वारा भौगोलिक भ्रमण का आयोजन किया गया, जिसमें विभागीय सदस्यों एवं स्नातकोत्तर छात्राओं ने भाग लिया। भ्रमण के दौरान फूलबाग, गांधी प्राणी उद्यान, महाराज बाड़ा, जी.एस.आई. जियोसाइंस म्यूजियम, डिजिटल म्यूजियम एवं प्लेनेटेरियम का अवलोकन कराया गया। छात्राओं ने विभिन्न जीव-जन्तुओं, स्थापत्य कला, भूगर्भीय प्रक्रियाओं, पृथ्वी एवं ब्रह्मांड से संबंधित वैज्ञानिक जानकारियों का अध्ययन किया तथा सौरमंडल की रोमांचक यात्रा का अनुभव प्राप्त किया।

Home Science Department

शासकीय कमला राजा कन्या महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग के अंतर्गत दिनांक 12 मार्च से 14 मार्च 2026 तक राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर में अनुसूचित जाति की 12 छात्राओं को कंटेंपरेरी टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप ऑपर्च्युनिटीज इन डेवलपमेंट ऑफ़ न्यूट्री रिच फूड विषय पर प्रशिक्षण दिया गया एवं छात्राओं को प्रमाण पत्र समापन समारोह में वितरित किए गए यह ट्रेनिंग प्रोग्राम शेड्यूल कास्ट सब प्लान ऑफ आईसीएआर के अंतर्गत आयोजित किया गया था।

Zoology Department

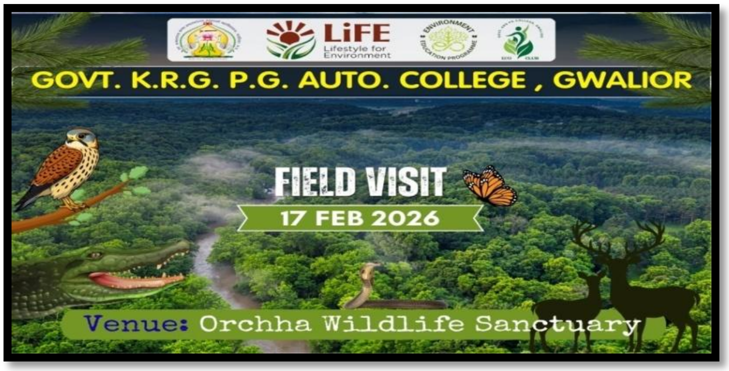

केआरजी कॉलेज की छात्राओं ने किया ओरछा वाइल्डलाइफ सेंचुरी का शैक्षणिक भ्रमण

शासकीय केआरजी कॉलेज के प्राणी शास्त्र विभाग एवं इको क्लब द्वारा प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में छात्राओं को ओरछा वाइल्डलाइफ सेंचुरी का शैक्षणिक भ्रमण कराया।

इस अवसर पर प्राणी शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार दुबे ने प्रकृति में जंतुओं एवं पौधों के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास में भी सहायक होते हैं। आयोजन प्रभारी एवं इको क्लब इंचार्ज डॉ. मोहित आर्य ने बताया कि बेतवा एवं जामनी नदियों के तट पर स्थित ओरछा अपनी भौगोलिक स्थिति एवं शुष्क परणपति वनों के लिए प्रसिद्ध है। ओरछा वन्य जीव अभ्यारण में हिरण, नीलगाय, वाइल्ड बोर, लोमड़ी, लंगूर, बंदर, भालू एवं तेंदुए समेत कई जंगली जानवरों एवं पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां पाईं जाती हैं, जिसमें जलीय प्रवासी पक्षी भी शामिल हैं। डॉ. शक्ति भारद्वाज ने ओरछा के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व से अवगत कराया। डॉ. प्रीति मौर्य एवं डॉ. सुष्मिता श्रीवास्तव ने बेतवा नदी में पाए जाने वाले जलीय जीवों एवं जल के भौतिक रासायनिक गुणों की जानकारी दी। डॉ. प्रतिष्ठा द्विवेदी एवं डॉ. नेहा बुनकर ने परियोजना कार्य के लिए रिपोर्ट राइटिंग की जानकारी दी। भ्रमण में एमएससी प्राणी शास्त्र एवं बायोटेक्नोलॉजी की 40 छात्राएं उपस्थित थीं।

श्रीराम एक्सप्रेस

केआरजी कॉलेज की छात्राओं ने किया ओरछा वाइल्डलाइफ सेंचुरी का शैक्षणिक भ्रमण

श्रीराम एक्सप्रेस। ग्वालियर

ग्वालियर। शासकीय केआरजी कॉलेज के प्राणी शास्त्र विभाग एवं इको क्लब द्वारा प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में छात्राओं को ओरछा वाइल्डलाइफ सेंचुरी का शैक्षणिक भ्रमण कराया।

इस अवसर पर प्राणी शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार दुबे ने प्रकृति में जंतुओं एवं पौधों के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास में भी सहायक होते हैं। आयोजन प्रभारी एवं इको क्लब इंचार्ज डॉ. मोहित आर्य ने बताया कि बेतवा एवं जामनी नदियों के तट पर स्थित ओरछा अपनी भौगोलिक स्थिति एवं शुष्क परणपति वनों के लिए प्रसिद्ध है। ओरछा वन्य जीव अभ्यारण में हिरण, नीलगाय, वाइल्ड बोर, लोमड़ी, लंगूर, बंदर, भालू एवं तेंदुए समेत कई जंगली जानवरों एवं पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां पाई जाती हैं, जिसमें जलीय प्रवासी पक्षी भी शामिल हैं। डॉ. शक्ति भारद्वाज ने ओरछा के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व से अवगत कराया। डॉ. प्रीति मौर्य एवं डॉ. सुष्मिता श्रीवास्तव ने बेतवा नदी में पाए जाने वाले जलीय जीवों एवं जल के भौतिक रासायनिक गुणों की जानकारी दी। डॉ. प्रतिष्ठा द्विवेदी एवं डॉ. नेहा बुनकर ने परियोजना कार्य के लिए रिपोर्ट राइटिंग की जानकारी दी। भ्रमण में एमएससी प्राणी शास्त्र एवं बायोटेक्नोलॉजी की 40 छात्राएं उपस्थित थीं।

नईदुनिया

छात्राओं ने किया ओरछा का भ्रमण

नईदुनिया प्रतिनिधि, ग्वालियर: शासकीय केआरजी कालेज के प्राणी शास्त्र विभाग एवं ईको क्लब की ओर से छात्राओं को ओरछा वाइल्डलाइफ सेंचुरी का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डा. राजेंद्र कुमार दुबे ने प्रकृति में जंतुओं एवं पौधों के महत्व की जानकारी दी। आयोजन प्रभारी एवं ईको क्लब इंचार्ज डा. मोहित आर्य ने बताया कि बेतवा एवं जामनी नदियों के तट पर स्थित ओरछा अपनी भौगोलिक स्थिति एवं शुष्क परणपति वनों के लिए प्रसिद्ध है।

ओरछा में नदी किनारे फोटो शूट कराती केआरजी कालेज की छात्राएं • केआरजी

ओरछा वन्य जीव अभ्यारण में हिरण, नीलगाय, वाइल्ड बोर, लोमड़ी, लंगूर, बंदर, भालू एवं तेंदुए समेत कई जंगली जानवरों एवं पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां पाई जाती हैं, जिसमें जलीय प्रवासी पक्षी भी शामिल हैं। डा. शक्ति भारद्वाज ने ओरछा के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व से अवगत कराया। डा. प्रीति मौर्य एवं डा. सुष्मिता श्रीवास्तव ने बेतवा नदी में पाए जाने वाले जलीय जीवों एवं जल के भौतिक रासायनिक गुणों की जानकारी दी। डा. प्रतिष्ठा द्विवेदी एवं डा. नेहा बुनकर ने परियोजना कार्य के लिए रिपोर्ट राइटिंग की जानकारी दी। यह भ्रमण प्राचार्य डा. साधना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया। भ्रमण में एमएससी प्राणी शास्त्र एवं बायोटेक्नोलाजी की 40 छात्राएं उपस्थित थीं।

Short-term Courses

Botany Department

वनस्पति शास्त्र विभाग

ATMNIRBHAR BHARAT & SDG 2030

SHORT-TERM CERTIFICATE COURSE (DURATION: 30 HOURS)

इसका उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) में वर्णित प्रमुख दक्षताओं की जानकारी देना है, ताकि हम एक आत्मनिर्भर उत्पादक एवं भविष्य-उन्मुख राष्ट्र के निर्माण के विकास में योगदान दे सकें। सतत विकास लक्ष्यों (SDGs), आत्मनिर्भर भारत और आज के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) की प्रासंगिकता का समग्र ज्ञान प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।

Geography Department

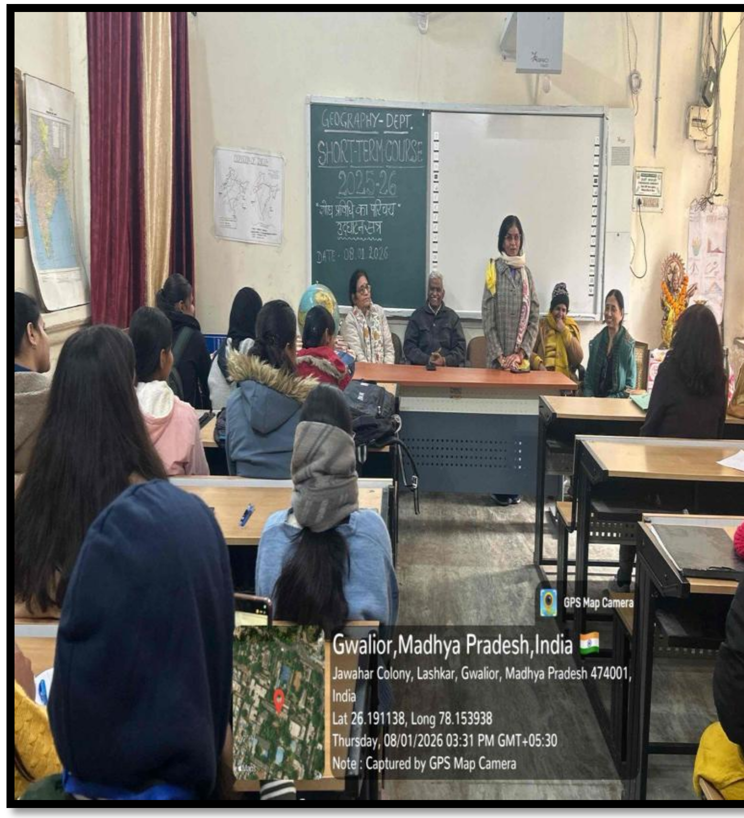

भूगोल विभाग द्वारा दिनांक 8 जनवरी 2026 से 18 फरवरी 2026 तक "इंट्रोडक्शन टू रिसर्च मेथाडोलॉजी" विषय पर शॉर्ट टर्म कोर्स का आयोजन किया गया।

Zoology Department

प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा माह फरवरी 2026 में "एक्वाकल्चर" विषय पर शॉर्ट टर्म कोर्स का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग की 39 छात्राओं सहभागिता की।

Hindi Department

सत्र 2025-26 में हिंदी में 2 शॉर्ट टर्म कोर्स 30 घंटे अवधि के संचालित किए गए-

1. माह सितंबर - 85 छात्राओं ने भाग लिया।
"हिंदी भाषा के व्याकरणिक अनुप्रयोग और वक्तृत्व कौशल"

2.माह दिसंबर - 82 छात्राओं ने भाग लिया।
"हिंदी के जनसंचार माध्यमों में देवनागरी यूनिकोड"

Economics Department

A 30 hour STCC on **"Introduction to Banking and Financial Institutions"** was conducted by **dept of economics** from **12th jan 2026** to 6th march 2026. About 65 students from different facilities registered for this course.

Philosophy Department

दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा माह फरवरी 2026 में **"Philosophical Underpinnings of the preamble of the Constitution of India"** विषय पर शॉर्ट टर्म कोर्स का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय की 15 छात्राओं ने प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

Biotechnology Department

जैव प्रौद्योगिकी विभाग में 16.02.2026 से 16.04.2026 तक एक शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण पाठ्यक्रम **"इंटीग्रेटेड बायोटेक्नोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी"** आयोजित किया गया, उक्त प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को विभाग की कुल 21 छात्राओं ने सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

Institute of Law

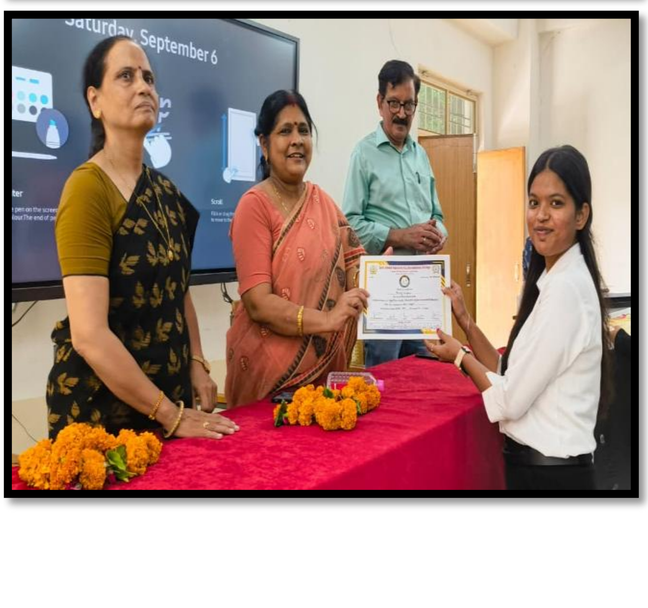

विधि संस्थान द्वारा दिनांक 22.12.2025 से 07.02.2026 तक **"आधुनिक भारत में साइबर कानून की उपयोगिता"** विषय पर शॉर्ट टर्म कोर्स का आयोजन किया गया। डॉ. इंदल सिंह को कोर्स समन्वयक नियुक्त किया गया।

Internship in library

केंद्रीय पुस्तकालय में शासकीय एम एल बी महाविद्यालय की 13 छात्राएं इंटर्नशिप हेतु दिनांक 8 जून 2026 को उपस्थित हुई । इन छात्राओं को पुस्तकालय की गतिविधियों के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। इन छात्राओं के द्वारा पुस्तकालय की अलमारी में पुस्तकों की कैसे व्यवस्थित रखा जाए आदि की बारीकियों का अध्ययन किया साथ ही प्रशिक्षणार्थियों ने पुस्तकों के डैमेज बारकोड को दुबारा से लगाया गया।

IQAC Meeting

महाविद्यालय में दिनांक 23 मई 2026 को सत्र 2025-26 में IQAC की मीटिंग आयोजित की गयी। मीटिंग में NAAC IV Cycle की Peer Team के द्वारा प्रदत्त रिकमेंडेशंस, सत्र 2025-26 के द्वारा किए गए कार्य एवं सत्र 2026-27 में किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा की गई।

Gond Art:Tree signifying the institute and the birds students
By: Pranjal katare B.A. III, Drawing Department

E-Newsletter

(Feb.-May 2025-26)

Published by:

IQAC of the College

Email College: krgc@rediffmail.com
Email IQAC: iqac.krgc@gmail.com